डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय

आगरा

(पूर्ववर्त्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा ब$^{++}$ श्रेणी प्रदत्त

उत्कर्ष

प्रगति आख्या–2024

विश्वविद्यालय प्रशासन

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय कुलाधिपति

प्रो. आशु रानी
कुलपति

प्रो. अजय तनेजा
प्रति कुलपति

डॉ. ओम प्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

श्री राजेश कुमार
आई.ए.एस.
कुलसचिव

श्री महिमा चंद
वित्त अधिकारी

डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय
आगरा
(पूर्ववर्त्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

उत्कर्ष
प्रगति आख्या–2024

संपादक मंडल

प्रो. प्रदीप श्रीधर
निदेशक
कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ

प्रो. जैसवार गौतम
रसायन विज्ञान विभाग

प्रो. देवेन्द्र कुमार
रसायन विज्ञान विभाग

प्रो. शम्स आलम
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, भदावर विद्या मन्दिर, बाह

डॉ. अमित कुमार सिंह
के.एम.आई.

डॉ. प्रदीप कुमार
के.एम.आई.

डॉ. संदीप कुमार
के.एम.आई.

श्री अनूप कुमार
उप कुलसचिव

प्रकाशक

श्री राजेश कुमार
आई.ए.एस.
कुलसचिव
डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

विषयानुक्रम

1.	माननीय कुलाधिपति महोदया का संदेश	(i)
2.	माननीय उच्च शिक्षा मंत्री का संदेश	(ii)
3.	माननीय उच्च शिक्षा राज्यमंत्री का संदेश	(iii)
4.	कुलपति जी का संदेश	(iv)
5.	आभाष	(v)
6.	डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय : एक दृष्टि में	(vi-ix)
7.	विश्वविद्यालय की विगत एक वर्ष की उपलब्धियाँ	(x-xii)

संस्थानों, विभागों एवं अध्ययन केन्द्रों की संक्षिप्त प्रगति आख्या

1.	कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ	1-3
2.	समाज विज्ञान संस्थान	4-6
3.	गृह विज्ञान संस्थान	6-7
4.	मौलिक विज्ञान संस्थान (आई.बी.एस.)	7-11
5.	दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान	11-12
6.	अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (आई.ई.टी.)	12-14
7.	सेठ पदम चन्द जैन प्रबंध संस्थान	14-15
8.	पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान	15-16
9.	ललित कला संस्थान	16-17
10.	पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान	17-18
11.	शारीरिक शिक्षा संस्थान	18-19
12.	जीवन विज्ञान संस्थान (स्कूल ऑफ लाइफ सांइस)	19-24
13.	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग	24-25
14.	इतिहास एवं संस्कृति विभाग	25
15.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	26
16.	विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र	26-27

केन्द्रीयकृत सुविधाएँ, पीठ, विभाग और प्रसार गतिविधियाँ

1.	राष्ट्रीय सेवा योजना	27-28
2.	राष्ट्रीय कैडेट कोर	28-30
3.	छात्र कल्याण विभाग	30
4.	समाचार–पत्रों के दर्पण में विश्वविद्यालय	31
5.	बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ (IPR Cell)	32
6.	सामुदायिक रेडियो	33
7.	महिला प्रकोष्ठ	33-34
8.	केन्द्रीय ग्रन्थागार	35-36
9.	रोजगार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ	36-37
10.	विवेकानन्द इन्क्यूबेशन फाउण्डेशन (VIF)	37-38
11.	विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल	38-40
12.	डॉ. भीमराव आंबेडकर पीठ	40-41
13.	सूर पीठ	42

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226 027

17 अक्टूबर, 2024

सन्देश

हर्ष का विषय है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा दीक्षांत समारोह के अवसर पर अपनी 90वीं दीक्षांत स्मारिका "उत्कर्ष" का प्रकाशन किया जा रहा है।

विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह समाज के जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने जीवन–पथ पर अग्रसर होने का अविस्मरणीय पल होता है। मुझे विश्वास है कि इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका विद्यार्थियों के लिए सूचनापरक, संग्रहणीय और जीवन के मार्गदर्शन में सहायक होगी।

मैं विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित की जा रही स्मारिका के सफल प्रकाशन तथा इससे जुड़े सभी सदस्यों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

योगेन्द्र उपाध्याय
मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश।

कक्ष सं0–63बी/डी, मुख्य भवन
विधान भवन, लखनऊ।
दूरभाष– 2238051(कार्या0)

पत्रांक: 1027(कैम्प)/मं.उ.शि./2024

दिनाँक– 16/10/2024

शुभकामना संदेश

ऐतिहासिक महत्व के डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा का 90वाँ दीक्षांत समारोह 22 अक्टूबर 2024 को आयोजित होने जा रहा है। यह हम सबके लिए अत्यंत गौरव का विषय है ।

यह विश्वविद्यालय शैक्षणिक जगत में अपने समस्त उत्तरदायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए नित्य नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मुझे यह देखकर अत्यंत हर्ष होता है कि अपने परिक्षेत्र में विश्वविद्यालय ने महानतम् उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्र के निर्माण में अप्रतिम योगदान दिया गया है, जिनमें भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा जी, पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी जैसे राष्ट्र निर्माता इस विश्वविद्यालय की गौरवशाली छात्र परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं।

दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए एक नए आयाम को प्राप्त कर लेने का सोपान है। यह दीक्षांत समारोह केवल एक समारोह मात्र नहीं है, अपितु हमारी गौरवपूर्ण उपलब्धियों की अभिव्यक्ति का महान् अवसर भी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय भविष्य की योजनाओं के निर्माण का प्रण भी लेता है।

मुझे यह पूर्ण विश्वास है कि दीक्षांत समारोह एक ऐसा अवसर है जो भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने हेतु सुशिक्षित छात्र–छात्राओं को प्राण प्रण से तैयार रहने को प्रेरित करता है। यही सुशिक्षित छात्र–छात्राएं पथ में आने वाली बाधाओं को पार कर सफलताओं के सोपान प्राप्त करते हैं और न केवल विश्वविद्यालय का अपितु अपने राष्ट्र के गौरव का रक्षण करते हुए इसमें अभिवृद्धि करते हैं ।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं तथा उपाधि प्राप्त छात्र छात्राओं को बहुत–बहुत बधाई। ।।

(योगेन्द्र उपाध्याय)

रजनी तिवारी
राज्य मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश

कार्या. : जी-2/3, तृतीय तल, बापू भवन,
उत्तर प्रदेश सचिवालय, लखनऊ।
दूरभाष कार्या. : 0522-2238980
सी.एच. : 0522-2214808

''शुभकामना संदेश''

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा अपने 90वें दीक्षांत समारोह का आयोजन कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षांत स्मारिका ''**उत्कर्ष**'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

दीक्षांत स्मारिका शैक्षणिक, अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों का दर्पण मात्र ही नहीं होती अपितु छात्र–छात्राओं की बौद्धिक, वैचारिक एवं रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती है। मैं आशा करती हूँ कि इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के दर्शन के साथ ही साथ रचनात्मक और परिवर्तनकामी विचारों का संचयन होगा।

विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ ही मैं दीक्षांत स्मारिका ''**उत्कर्ष**'' के सफल प्रकाशन हेतु विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

(**रजनी तिवारी**)
राज्य मंत्री,
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश सरकार।

आवास : 1- डालीबाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 0522-2205445

कैम्प कार्यालय : हरदोई, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 05852-222100

प्रो. आशु रानी
कुलपति

Prof. Ashu Rani
Vice-Chancellor

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय
(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय)
आगरा– 282 004 (उ.प्र.)

Dr. BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
(Formerly : Agra University)
AGRA - 282 004 (U.P.) India

आशीर्वचन

आरोहणमाक्रमणं जीवतो जीवतोऽयनम' अथर्ववेद का यह वाक्य, उत्तर भारत के इस प्राचीन विश्वविद्यालय के निरंतर उन्नति के मार्ग का प्रतीक है। इसका अर्थ है जीवन की यात्रा में निरंतर आगे बढ़ना और आत्मविकास करना। आज हम गर्व के साथ विश्वविद्यालय के 90वें दीक्षान्त समारोह के साक्षी हैं।

यह दीक्षांत समारोह, शिक्षित और संस्कारित युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पित करने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। यह केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को ज्ञान यात्रा के समापन पर नई जिम्मेदारियों के साथ विदाई देने का अवसर है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि हमारे विद्यार्थी यहाँ से प्राप्त ज्ञान का सदुपयोग कर अपने महान उद्देश्यों की पूर्ति करें।

मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी विश्वविद्यालय से मिले ज्ञान और संस्कारों का प्रभावी उपयोग कर राष्ट्रोत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे समाज के विकास में योगदान देकर विश्वविद्यालय के गौरव को बढ़ाएँगे।

इस विशेष अवसर पर, विश्वविद्यालय अपनी दीक्षांत स्मारिका 'उत्कर्ष' का प्रकाशन कर रहा है। यह स्मारिका विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जीवंत अभिलेख है, जो विद्यार्थियों की सफलता और संस्था के मूल्यों को दर्शाती है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और हमारे विश्वविद्यालय की परंपरा और उत्कृष्टता को उजागर करेगी।

इस शुभ अवसर पर, मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कामना करती हूँ कि विश्वविद्यालय अपने संकल्पों के माध्यम से राष्ट्रोत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे। विश्वविद्यालय अपनी उच्च शैक्षिक मानकों और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहे।

(आशु रानी)

प्रो. प्रदीप श्रीधर

प्रो. देवेन्द्र कुमार

प्रो. जैसवार गौतम

प्रो. शम्स आलम

श्री अनूप कुमार

डॉ. अमित कुमार सिंह

डॉ. प्रदीप कुमार

डॉ. संदीप कुमार

आभाष

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा आज अपने नब्बे वें दीक्षांत समारोह का उत्सव मना रहा है । अपने स्थापना काल से ही इस विश्वविद्यालय की उत्तर भारत में शैक्षिक संस्था के रूप में एक विशिष्ट पहचान रही है। छात्र–छात्राओं की बौद्धिक, साहित्यिक एवं कलात्मक प्रतिभा को निखारने में विश्वविद्यालय ने सदैव अपना योगदान दिया है।

एक विश्वविद्यालय केवल शिक्षा और संस्कार के द्वार ही नहीं खोलता अपितु सामाजिक संभावनाओं की रूपरेखा भी निर्मित करता है। इन्हीं सामाजिक संभावनाओं के संचरण के क्रम में यह दीक्षांत स्मारिका 'उत्कर्ष' आपके सम्मुख प्रस्तुत है। **'उत्कर्ष'** समय और समाज से जुड़ी उत्कृष्ट वैचारिकी को स्वर देने का एक प्रयास है।

मुझे आशा ही नहीं वरन् पूर्ण विश्वास है कि **'उत्कर्ष'** स्मारिका एक जीवंत, स्वतन्त्र और चिन्तनशील अभिव्यक्ति की इस अनवरत यात्रा में नये आयाम जोड़ते हुए इनका विस्तार करेगी और अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर विश्वविद्यालय का गौरव अक्षुण्ण रखेगी।

स्मारिका के संपादन मण्डल से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का मैं धन्यवाद देता हूँ और आशा करता हूँ कि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के उत्कर्ष में इसी प्रकार सबका समवेत योगदान मिलता रहेगा।

शुभकामनाओं सहित!

प्रो. प्रदीप श्रीधर

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय : एक दृष्टि में

संक्षिप्त परिचय :

आगरा विश्वविद्यालय, आगरा की स्थापना एक जुलाई सन् 1927 ई. को हुई थी। यह उत्तर भारत के पुरातन विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसका कार्यक्षेत्र उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और पश्चिमी बिहार तक विस्तृत रूप से फैला हुआ था। सन् 1996 ई. में इसका नामकरण डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा हुआ। इसके विभिन्न संकायों की पहली बैठक इस प्रकार हुई:

- कार्यपरिषद 15.10.1927
- संकाय (फैकल्टी) 17.10.1927
- विद्या परिषद 19.10.1927
- शैक्षिक (एकेडमिक) परिषद 21.10.1927
- सीनेट 30.10.1927

आवासीय परिसर :

विश्वविद्यालाय के चार आवासीय परिसर पालीवाल पार्क, खंदारी, छलेसर एवं सिविल लाइंस में हैं, जहाँ शिक्षण कार्य होता है। प्रशासनिक खंड पालीवाल पार्क में है। महिला विद्यार्थियों हेतु छात्रावास खंदारी परिसर में है एवं पुरुष विद्यार्थियों हेतु छात्रावास छलेसर परिसर में है।

संबद्ध कॉलेज :

विश्वविद्यालय मूलतः संबद्ध कॉलेजों के लिए था। समय की आवश्यकतानुसार इसमें आवासीय परिसर विकसित हुए।

वर्तमान में सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या :

- राजकीय महाविद्यालय – 06
- संघटक महाविद्यालय – 01
- सहायता प्राप्त महाविद्यालय – 27
- स्ववित्तपोषित महाविद्यालय – 540

छात्र संख्या :

- आवासीय परिसर – 6499
- सम्बद्ध महाविद्यालय – 264338

अधिकार क्षेत्र :

विश्वविद्यालय का अधिकार क्षेत्र आगरा मंडल के चार जिलों आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद एवं मैनपुरी में है।

प्रथम कुलाधिपति :

महामहिम सर विलियम सिनक्लेयर मैरिस

प्रथम कुलपति :

रेवरेंड कैनन ए. डब्ल्यू. डेविस

विश्वविद्यालय का उद्देश्य, ध्येय एवं सील :

(University Objectives, Motto and Seal)

विश्वविद्यालय का उद्देश्य धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग भेद के बिना, पारदर्शिता के साथ सभी को समान रूप से शिक्षा का अवसर प्रदान करना है। विश्वविद्यालय और उसकी उपाधियाँ सर्वसमाज के लिए हैं। 'The Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra is open to all classes and creed, irrespective of, and sex differentiation and no test of any nature what-so ever of religion belief or profession can be imposed for entitlement of any certificate, diploma or degree.'

ध्येय वाक्य :

विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य
"तमसो मा ज्योतिर्गमय" है अर्थात् 'अंधकार से प्रकाश की ओर चलो'

यह विश्वविद्यालय की सील पर अंकित है।

The motto of the university is light and learning; `Tamso Ma Jyotirgamaya' (तमसो मा ज्योतिर्गमय) meaning 'lead me from darkness to light'

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

आगरा विश्वविद्यालय की स्थापना विश्वप्रसिद्ध स्मारक "ताजमहल" के शहर आगरा में हुई थी, जिसे आज हम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के नाम से जानते हैं। यमुना नदी पर बसे आगरा को प्राचीन काल में 'अग्रवन' के नाम से भी जाना जाता था। सिकंदर ने 1504 ई. में इसे अपनी राजधानी बनाया। लोदी के बाद मुगल आये, जिन्होंने दिल्ली की तुलना में इसे अपनी राजधानी बना भारत के विस्तृत भू–भाग पर शासन किया। ब्रिटिश आधिपत्य के बाद आगरा सीधे अंग्रेजों के नियंत्रण में आ गया। 1833 ई. में आगरा की महत्वपूर्ण स्थिति के कारण इसे 'प्रेसिडेंसी' का दर्जा मिला।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में आगरा ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया था। बाद में क्रांतिकारियों के कारण आगरा का काफी नाम रहा। यहाँ 1823, 1852 एवं 1885 ई. में क्रमशः आगरा कॉलेज, सेंट जोन्स कॉलेज एवं आर. बी. एस. कॉलेज अस्तित्व में आए। प्रारम्भ में आगरा कॉलेज, कलकत्ता

विश्वविद्यालय से संबद्ध रहा। 1837 ई. में जब इलाहाबाद विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया तो आगरा कॉलेज वहाँ से संबद्ध हो गया।

आगरा विश्वविद्यालय अपने प्रथम कुलपति रेवरेंड ए. डब्ल्यू डेविस के साथ, मुंशी नारायण प्रसाद अस्थाना, डॉ. एल. पी. माथुर, प्रो. गोकुल चंद्रा, लाला दीवान चंद्र, रायबहादुर आनंद स्वरूप, डॉ ब्रजेंद्र स्वरूप इत्यादि के सद्प्रयासों का प्रतिफल था, जिन्होंने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सरकार को तैयार किया। उस समय एक आयोग (Sadher Commission) ने पूर्व में गोरखपुर से लेकर पश्चिम में इंदौर तक फैले संबद्ध कॉलेजों के लिए एक विश्वविद्यालय स्थापना की संस्तुति की। 1921 ई. में इसके लिए प्रांतीय विधायिका में एक बिल प्रस्तुत हुआ जो 1926 ई. में पास हुआ। 11.09.1926 एवं 20.10.1926 को इस पर क्रमशः गवर्नर एवं गवर्नर जनरल की मुहर लगी। इस तरह 01.07.1927 को आगरा विश्वविद्यालय का जन्म हुआ। आई. ई. एस. अधिकारी के. पी. किचलू इसके विशेष कार्य अधिकारी 01.04.1927 को बने, जिनसे 01.11.1927 को श्री टिनकर ने चार्ज लिया। कुलसचिव पं. श्याम सुंदर शर्मा ने 14 जून से 30 जुलाई 1928 तक कुलपति कार्यालय का कार्यभार भी सँभाला। महामहिम सर विलियम सिनक्लेयर मैरिस इसके प्रथम कुलाधिपति थे। 1996 ई. में विश्वविद्यालय का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा हुआ। अब तक इसके 89 दीक्षांत समारोह हो चुके हैं।

विश्वविद्यालय की स्थिति :

प्रारंभ में विश्वविद्यालय की सीमा संयुक्त प्रांत आगरा एवं अवध, मध्य भारत, राजपूताना के 14 संबद्ध कॉलेजों तक थी, जिसमें 1472 संयुक्त प्रांत के छात्रों को मिलाकर कुल छात्र संख्या 2530 थी। प्रथम वर्ष में पंजीकृत स्नातक छात्र मात्र 85 थे। आज विश्वविद्यालय की सीमा उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल तक है। देश के तीन प्रदेशों की सीमा (मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं हरियाणा) इससे जुड़ी हुई है। प्रदेश के 08 राजकीय महाविद्यालय, 27 सम्बद्ध महाविद्यालय, 01 संघटक महाविद्यालय एवं 633 स्ववित्त पोषित महाविद्यालय इससे संबद्ध हैं। वर्तमान में छात्रों की संख्या 2,67,323 लाख है।

आरंभ में विश्वविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि संकाय थे। बाद में इसमें मेडीसिन (1936), कृषि (1938), शिक्षा (1938), गृहविज्ञान (1980), होम्योपैथी (1981) आए और उसके बाद फाईन आर्ट, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लाइफ साइंस, आयुर्वेद एवं यूनानी शामिल हुए।

विश्वविद्यालय भवन :

विश्वविद्यालय ने भरतपुर हाउस स्थित एक किराए के भवन में कार्यालय खोलकर कार्य शुरू किया था। 1933 ई. में इसे पालीवाल पार्क (तत्कालीन हैविट पार्क) के एक हिस्से के भवन में स्थान मिला, जिसमें प्रथम तल पर डेविस हाल (जहाँ आजकल शोध विभाग है), काउंसिल हाल और आधार तल पर कार्यालय थे। प्रशासनिक खंड के लिए दीक्षांत समारोह के अवसर पर तत्कालीन कुलाधिपति महामहिम सर माल्कम हैली ने नवम्बर 1932 ई. में शिलान्यास किया था। बाद में परीक्षा विभाग, गोपनीय विभाग, सीनेट हाल, विश्वविद्यालय कर्मियों के आवास इस परिसर में बने।

पालीवाल पार्क में आवासीय पक्ष के रूप में समाजविज्ञान संस्थान एवं कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ को 1953 में स्थान मिला। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद ने 1956 में समाजविज्ञान संस्थान और तत्कालीन कुलाधिपति डॉ. के. एम. मुंशी ने 1957 में विद्यापीठ के भवन का उद्घाटन किया। केंद्रीय पुस्तकालय भी उसी दौरान बनकर तैयार हुआ। गृह विज्ञान संस्थान के लिए खंदारी में विश्वविद्यालय ने चार एकड़ का भूखंड क्रय कर ग्वालियर की राजमाता विजयाराजे सिंधिया से 3.12.1967 को शिलान्यास कराया। भवन का उद्घाटन तत्कालीन कुलाधिपति माननीय डॉ. बी. गोपाल रेड्डी ने 07.07.1968 को किया। बाद में गृह विज्ञान संस्थान से सटे भूखंडों को लेकर 'खंदारी परिसर' विकसित हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट

ऑफ बेसिक साइंस (1990), सेठ पदमचंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैंनेजमेंट, कामर्स एंड इकोनोमिक्स (1993), अतिथि गृह, दाऊ दयाल व्यावसायिक संस्थान, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान, यूनिवर्सिटी मॉडल स्कूल, इंजीनियरिंग संस्थान, फार्मेसी विभाग, आंबेडकर भवन, कम्युनिटी रेडियो, खंदारी परिसर में स्थापित हुए। सिविल लाइंस स्थित खंडेलवाल कोठी में ललित कला संस्थान तथा छलेसर में शारीरिक शिक्षा विभाग की स्थापना की गयी। माननीय कुलाधिपति श्री राम नाईक ने 08.07.2016 को पं. दीन दयाल उपाध्याय संस्थान के नवीन भवन का छलेसर में शिलान्यास किया। इस प्रकार संप्रति विश्वविद्यालय चार परिसर क्रमशः पालीवाल पार्क, खंदारी, सिविल लाइंस एवं छलेसर तक विस्तृत है।

केंद्रीय पुस्तकालय :

विश्वविद्यालय की स्थापना से ही इसमें केंद्रीय पुस्तकालय स्थित रहा है। प्रारंभिक दौर में इसका संचालन कुलसचिव कार्यालय से होता था। बाद में इसे स्थापत्य भवन के रूप में पालीवाल पार्क में स्थापित किया गया। चार मंजिला भवन खुली पुस्तक की तरह है, जिस पर ग्रीक संस्कृति का प्रभाव रखने वाला बाइजांटिन गुम्बद (Byzantine dome) है। यह सात लाख की लागत से 01.03.1956 को बनकर तैयार हुआ। इसमें 1,58,000 पुस्तकें, 200 जर्नल तथा लब्ध प्रतिष्ठित विभूतियों सर्वश्री सी. वाई. महाजन, डॉ. ए. एल. श्रीवास्तव, डॉ. एस. एन. मेहरोत्रा, पं. बनारसी दास चतुर्वेदी और श्री सुंदर लाल रूपरानी इत्यादि के संग्रह हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय के चारों परिसरों में केंद्रीय पुस्तकालय की चार शाखाएँ हैं–

1. पालीवाल पार्क परिसर, 2. खंदारी परिसर, 3. संस्कृति भवन, 4. छलेसर परिसर।

प्रेक्षागृह, सभागार, सम्मेलन हॉल :

1. 1350 के बैठने की क्षमता वाला–छत्रपति शिवाजी मण्डपम्।
2. 375 के बैठने की क्षमता वाला– जे. पी. सभागार, खंदारी।
3. 200 के बैठने की क्षमता वाला– जुबली हॉल, पालीवाल पार्क।
4. 300 के बैठने की क्षमता वाला–संस्कृति भवन का सभा कक्ष।
5. लघु बैठकों के लिए बृहस्पति भवन, पालीवाल पार्क एवं अतिथि गृह सभा कक्ष, खंदारी।

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल :

नर्सरी से कक्षा 12 तक सी.बी.एस.ई. से सम्बद्ध मॉडल स्कूल खंदारी परिसर में 24 वर्ष से संचालित है।

आवास सुविधाएँ :

शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए पालीवाल पार्क, गोपालकुंज, खंदारी, सुल्तानगंज परिसर में आवासीय सुविधाएँ हैं। छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा भी गृहविज्ञान संस्थान, खंदारी परिसर में है।

केंद्रीय कम्प्यूटर सुविधा :

सम्पूर्ण परिसर में केंद्रीय कम्प्यूटर सुविधा है।

वाई–फाई, सी.सी.टी.वी. :

विश्वविद्यालय वाई–फाई व सी.सी.टी.वी. युक्त है।

सामुदायिक रेडियो 'आगरा की आवाज' :

सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार का प्रकल्प 90.4 MHz आगरा की आवाज 30.10.2010 से खंदारी परिसर में संचालित है। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में स्थापित यह एकमात्र सामुदायिक रेडियो है, जो जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग का एक अंग है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की विगत एक वर्ष की उपलब्धियाँ

प्रमुख उपलब्धियाँ

- विश्वविद्यालय में भारत सरकार की राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस योजना को सफलतापूर्वक लागू कर लिया गया है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने में सहायता मिलेगी वरन् छात्रों और कर्मचारियों के लिए भी डिजिटल सेवाएँ प्रदान की जा सकेंगी।
- समर्थ (ERP) के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ माननीय कुलाधिपति जी की उपस्थिति में विश्वविद्यालय ने समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है और 15 प्रमुख मॉड्यूल्स पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसमें छात्र प्रबंधन, फीस प्रणाली, अवकाश प्रबंधन, लेखा, भर्ती प्रक्रिया आदि सम्मिलित हैं।
- विश्वविद्यालय ने इसी सत्र में छात्र–छात्राओं के लिए Student Service View की सुविधा प्रारंभ की है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्र–छात्राएँ अपनी OMR Sheets, Answer Keys डाउनलोड करने के साथ–साथ डुप्लीकेट अंकतालिका, सत्यापन, प्रोविजनल उपाधि आदि ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।
- विश्वविद्यालय ने ई–काउंसिलिंग पोर्टल प्रारंभ किया है, जिससे छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में बेहतर मार्गदर्शन और सहायता प्राप्त हो रही है।
- शिक्षकों को शोध एवं अकादमिक उन्नयन के लिए सीड मनी (आरंभिक पूंजी) प्रदान की गई है, जिससे वे अपने शिक्षण और शोध कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से संपन्न कर सकेंगे। इसके साथ ही कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत सभी शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ दिया गया है। वर्तमान में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में एक भी प्रोन्नति लंबित नहीं है।
- प्रधानमंत्री कौशल विकास कम्प्यूटर प्रयोगशाला वेब डवलपर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।
- विवेकानंद इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा 12 स्टार्टअप पंजीकृत किए गए हैं।
- नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत यमुना संरक्षण हेतु डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय एवं IIPA, New Delhi संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं, जिसके लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान में Capacity Building पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है ताकि यमुना नदी के विकास और संरक्षण में छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

अकादमिक उन्नयन

- विश्वविद्यालय को पीएम–उषा योजना के अंतर्गत 20 करोड़ रुपये अनुदान के रूप में प्राप्त हुए हैं, जिनका उपयोग विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक उन्नयन में किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय ने MGIMO University, Moscow, Russia, अखिल विश्व हिंदी समिति, टोरंटो, ओंटारियो, कनाडा, हिंदी यूनिवर्स फाउंडेशन, नीदरलैंड्स, कथा (यू. के.), लंदन, ग्लोबल हिंदी ज्योति, कैलिफोर्निया, अमेरिका, Panlingua Language Processing LLP, New Delhi, Research Institute of Linguistics, Hungarian Academy Sciences, Hungry. Gamut Analytics Private Limited, SAARTHI, AI, Pune, India. सहित अनेक राष्ट्रीय, अन्तरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ 77 से भी अधिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं।
- क.मुं. हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ द्वारा MGIMO University, Moscow, Russia के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के अन्तर्गत एक रूसी विद्यार्थी हिंदी के एक माह के लघु अवधि पाठ्यक्रम को विद्यापीठ में आकर पूर्ण कर चुका है। इसी क्रम में रूसी भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु एक छात्र 24 अक्टूबर, 2024 को रूस जा रहा है। हमारे लिए यह अत्यन्त गौरव का विषय है कि नवम्बर, 2024 में पाँच रूसी छात्रों का दल 3 माह के हिंदी के प्रशिक्षण हेतु विश्वविद्यालय आ रहा है।

- विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के अकादमिक उन्नयन हेतु अनेक मूल्य संवर्द्धित पाठ्यक्रमों का निरन्तरता में संचालन किया है। आपको जानकर प्रसन्नता होगी इस वर्ष विश्वविद्यालय को 22 पेटेंट, 38 कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट, विभिन्न प्रकार के 115 पुरस्कार, 40 रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त हुए हैं। साथ ही विश्वविद्यालय में 6 सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस भी संचालित हो रहे हैं।
- विश्वविद्यालय के छात्र कन्हैया कुमार ने माननीय प्रधानमंत्री जी की 'मन की बात' प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है एवं कैम्पस एम्बेस्डर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए संयुक्त राष्ट्रसंघ के कार्यक्रम में प्रतिभाग किया है।
- विश्वविद्यालय की आवासीय इकाई के शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं का आयोजन निरन्तरता में किया जाता है, जो विद्यार्थियों के अकादमिक एवं बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होता है । इन संगोष्ठियों के आयोजन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा अनुदान दिया जाता है एवं राज्य सरकार से भी अनुदान प्राप्त होता है ।
- विधिवत रूप से चयन समिति आहूत कर स्थाई एवं रिक्त स्वीकृत पदों के सापेक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित अर्हता के अनुरूप योग्य विषय विशेषज्ञों को वर्तमान सत्र में शिक्षण कार्य के लिए आमंत्रित किया गया है ।
- देववाणी संस्कृत के प्रचार–प्रसार एवं उन्नयन हेतु निरन्तरता में संस्कृत सम्भाषण शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसके कारण संस्कृत अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।
- विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों के फलस्वरूप हमारे विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्थान मिला है, परिणामस्वरूप BRICS Countries Universities Vice-Chancellor/Rector Meet, Mosco, Russia में भाग लेने के लिए विश्वविद्यालय की कुलपति जी को आमंत्रित किया गया था।

विद्यार्थियों हेतु हितकारी कार्य

- विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के प्रवेश लेने पर उन्हें एक डब्ल्यू.आर.एन. नंबर दिया जाता है और तब से लेकर विद्यार्थी के डिग्री प्राप्त करने तक इस नंबर के माध्यम से उन्हें समस्त सुविधाएँ ऑनलाइन प्रदान की जाती हैं।
- विश्वविद्यालय परिसर के स्नातक एवं परास्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए पेड इंटर्नशिप योजना प्रारंभ की गई है। इसके साथ ही आवासीय परिसर में पंजीकृत शोध छात्रों को आर्यभट्ट योजना के अंतर्गत प्रतिमाह रू. 10,000/– की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
- अभी तक विद्यार्थियों को सूचना के अधिकार के माध्यम से अपनी उत्तर पुस्तिकाओं को देखने की व्यवस्था थी । अब नई व्यवस्था के अन्तर्गत प्रत्येक छात्र न्यूनतम शुल्क जमा करके अपनी स्कैन्ड उत्तर पुस्तिका तत्काल देख सकता है । अब उसे स्कैन्ड उत्तर पुस्तिका देखने के लिए सूचना के अधिकार के माध्यम से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।
- छात्र समस्या समाधान हेतु एकल खिड़की व्यवस्था प्रारंभ की गयी है । पुरानी उपाधियाँ एवं अंकतालिकायें महाविद्यालयों को भेज दी गई हैं एवं डीजी लॉकर पर भी अपलोड कर दी गईं हैं ।
- Academic Bank of Credit की व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है ।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित दो इकाइयों का पाठ्यक्रम स्नातक प्रथम वर्ष में सभी संकायों में लागू कर दिया गया है ।

- वर्तमान सत्र में ही भारतीय ज्ञान परम्परा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संग (IKS with AI) का रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है ।
- छलेसर परिसर में बी. एससी. कृषि का रोजगारपरक पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है ।
- इसी सत्र से बी. ए., एलएल. बी. एवं एलएल. बी. पाठ्यक्रम भी विश्वविद्यालय में संचालित किया जा रहा है ।
- माननीय कुलाधिपति महोदया की सत्प्रेरणा से क. मा. मुंशी अभिलेख धरोहर संग्रहालय एवं शोध केन्द्र की स्थापना की गई है । विद्यापीठ में संग्रहीत 500 वर्ष से 2 हजार वर्ष प्राचीन पाण्डुलिपियों, मुगलकालीन मानचित्र एवं कनिष्क तथा मुगलकालीन धातु के सिक्कों को विधिवत सज्जित किया गया है ।
- विश्वविद्यालय के छलेसर परिसर में महाराणा प्रताप पुरुष छात्रावास स्थापित किया गया है ।
- आवासीय इकाई की छात्र संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है । विगत वर्षों में छात्र संख्या लगभग 3 हजार के आसपास रहती थी । वर्तमान सत्र में छात्र संख्या 6 हजार से अधिक पहुँच गई है और आगामी सत्र में 10 हजार तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है ।
- विश्वविद्यालय के पालीवाल पार्क स्थित केन्द्रीय ग्रन्थागार का जीर्णोद्धार करते हुए एवं उसे आधुनिक तकनीक से सज्जित करते हुए उसका नवीनीकरण किया गया है। डिजिटल लाइब्रेरी के अंतर्गत, हमारा विश्वविद्यालय नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी (NDL) और वर्ड ई–लाइब्रेरी का सदस्य बन चुका है। इन डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से हमारे शिक्षकों और छात्रों को व्यापक, शैक्षणिक सामग्री, शोध पत्र एवं अन्य संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं।
- पुस्तकों को आर. एफ. आई. डी. तकनीक से सुरक्षित किया गया है ।
- विगत माह युवोत्सव का आयोजन किया गया था, जिससे विद्यार्थियों की प्रतिभा को एक मंच मिला और वे सभी इससे लाभान्वित हुए ।
- विश्वविद्यालय के खेलकूद विभाग द्वारा आयोजित की गई खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया, जिससे उनकी खेल प्रतिभा का विकास हुआ । हमारे विद्यार्थियों ने इन खेलकूद प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ भी प्राप्त की हैं।
- छात्र हित में विश्वविद्यालय फ्रैंच भाषा में शोध कार्य प्रारंभ किए गए हैं जो अपने आप में उपलब्धि है।
- राज्य सरकार के युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों को 17,026 टेबलेट एवं 1,67,464 मोबाइल फोन वितरित किए गए हैं।

सामाजिक उत्तरदायित्व

- परम श्रद्धेय कुलाधिपति जी की सत्प्रेरणा ने विश्वविद्यालय को सदैव अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सजग बनाये रखा है ।
- विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई ने विगत वर्ष माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त पुरस्कार प्राप्त किया था ।
- गृह विज्ञान संस्थान के महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा महिलाओं के लिए स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जाता है ।
- विश्वविद्यालय द्वारा अपने पर्यावरणीय दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपने सभी परिसरों में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया । साथ ही विश्वविद्यालय अपने विभिन्न संस्थानों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने एवं जल संरक्षण प्रणाली विकसित करने की ओर अग्रसर है ।
- राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सामुदायिक रेडियो स्वयंसेवकों ने ड्रामा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया व रील मेकिंग में रजत पदक प्राप्त किया।

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ

यह डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का प्रथम संस्थान है । विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुख्य प्रेरणा तत्कालीन राज्यपाल उ. प्र. एवं गुजराती साहित्य के लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकार एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी जी की थी। मुंशी जी के नाम से ही 14 दिसम्बर 1953 को विद्यापीठ की स्थापना हुई । विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुंशी जी की परिकल्पना यह थी कि इस शोध केन्द्र के माध्यम से भाषा का संवर्द्धन एवं अन्य भाषाओं से हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन को दिशा मिल सकेगी। प्रो. विश्वनाथ प्रसाद, प्रो. माताप्रसाद, प्रो. रामविलास शर्मा एवं. प्रो. विद्यानिवास मिश्र जैसे लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों ने विद्यापीठ के निदेशक पद को सुशोभित किया है । विद्यापीठ की स्थापना के उद्देश्य इस प्रकार हैं – हिंदी भाषा एवं साहित्य के संवर्द्धन हेतु शोध केन्द्र के रूप में विकास, तुलनात्मक साहित्यिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, यत्र–तत्र बिखरी पड़ी हिंदी तथा अन्य भाषाओं की पाण्डुलिपियों का संरक्षण एवं उन पर अनुसंधान करना।

विद्यापीठ में संचालित विभागों के नाम :

- आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
- विदेशी भाषा विभाग
- संस्कृत विभाग
- भाषाविज्ञान विभाग,
- जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

विद्यापीठ में संचालित पाठ्यक्रम :

- डी. लिट्.
- एम. ए. (हिंदी, भाषाविज्ञान, संस्कृत एवं फ्रेंच)
- जनसंचार में पी.जी. डिप्लोमा
- डिप्लोमा (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- भाषा संकाय में स्नातक
- पीएच.डी. (हिंदी, भाषाविज्ञान)
- एम.एससी. कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स
- भाषाविज्ञान में डिप्लोमा
- सर्टीफिकेट (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- एडवांस्ड डिप्लोमा (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)

शिक्षकों का विवरण : हिन्दी विभाग

- प्रो. प्रदीप श्रीधर, आचार्य एवं निदेशक
- डॉ. केशव कुमार शर्मा
- डॉ. मोहिनी दयाल
- डॉ. रमा
- श्रीमति प्रीती यादव (आर्यभट्ट शिक्षण सहायक)
- प्रो. रामशंकर कठेरिया
- डॉ. अमित कुमार सिंह
- डॉ. शालिनी श्रीवास्तव
- कंचन (आर्यभट्ट शिक्षण सहायक)

29 सितम्बर, 2024 को आयोजित हिंदी पखवाड़ा उत्सव

विद्यापीठ स्थित संग्रहालय का अवलोकन करते हुए
मा. उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय जी एवं मा. कुलपति प्रो. आशु रानी जी

भाषाविज्ञान विभाग

- डॉ. नीलम यादव
- डॉ. रणजीत भारती (अवकाश पर)
- डॉ. रीतेश कुमार (अवकाश पर)
- श्रीमती पल्लवी आर्य

संस्कृत विभाग

- डॉ. वर्षा रानी

विभागीय गतिविधियाँ :

- 15 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया गया।
- 03 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के सहयोग से जिला एवं मण्डलीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विदेशी भाषा विभाग

- Dr. Pradeep Kumar
- Mr. Anuj Garg
- Dr. Sandeep Singh
- Dr. Aditya Prakash
- Mr. Vishal Sharma
- Mr. Angad

International Delegates at the Department of Foreign Languages :

1.	Mme. Annie Desnoyers	Université de Montréal, Québec, Canada.
2.	Mme. Chantale Souprayenmestry	Délégation de la Réunion
3.	Mme. Christine Jauzelon	Délégation de la Réunion
4.	Mme. Elisabeth Ponama	Délégation de la Réunion
5.	M. Francis Paradis (Consul & Director)	Bureau du Québec à Mumbai.
6.	M. Paul Canaguy	Délégation de la Réunion
7.	M. Richard Souprayenmestry	President, GOPIO, Reunion
8.	Mme. Suzie Beaulieu	Québec, Canada.
9.	Mme. Yolaine Tounia	Délégation de la Réunion
10.	M. Vincent Miny	France

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

- डॉ. संदीप कुमार

संस्थान के शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धियाँ

प्रायोजित शोध परियोजनाएँ	: 02	प्रकाशित पुस्तकें	: 09
संपादित पुस्तक में संकलित आलेख	: 11	संपादित पुस्तकें	: 09
संगोष्ठियों में सहभागिता	: 12	पुरस्कार	: 05
संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुतीकरण	: 07	मुख्य वक्ता के रूप में संगोष्ठियों में सहभागिता	: 04
प्रकाशित शोध पत्र	: 06	राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन	: 03

समाज विज्ञान संस्थान

Department of Sociology

The Institute of social sciences is an integral part of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra. It has a broad mission to advance understanding and knowledge in various aspects of human society. The Institute consists of three Departments of Sociology, Social Work and Statistics. A primary function of the institute is conducting research on social phenomena, societal trends, human behavior, and other relevant topics. The Department of Sociology is an important Department of the Institute.

Name of Courses :

- M.A. • Ph.D.

Faculties :

- Prof. Md. Arshad
- Dr. Soumya Sharmistha Mallick
- Mrs. Usha (Teaching Assistant)
- Mrs. Ruby Singh (Teaching Assistant)
- Priyanka
- Ambika

- **Invited Lecture : 03** • **Seminar : 03** • **Paper Published : 03**
- Conducted" Organ Donation Awareness Campaigning on 1st August 2024 at the Department of Sociology, Institute of Social Sciences, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra.

- Organizing a seminar on Partition Horrors Remembrance Day "Vibhajan Vibhishika Smriti Diwas" on 14th of August 2024 at the Jubilee Hall, Paliwal Park Campus.
- "Orientation Programme Conducted MA 1st semester students on 1st August 2024 at Department of Sociology, Institute of Social Sciences, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra.

Department of Social Work

The Department of Social Work was established in the year 1957. It is one of the oldest Departments of social work of north India. It is the integral part of the Institute of Social Sciences along with the Department of Sociology and Statistics.

Courses :

- D. Litt.
- Ph. D.
- M.S.W. (Master of Social Work)

Present Faculty Members :

- Prof. Ranvir Singh, Professor & Head
- Dr. Rajeev Verma
- Dr. Rajesh Kushwaha
- Dr. R.K. Bharti
- Dr. Mohd. Husain

विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियाँ :

- The Department has organized various Awareness Programme and Health Camps on different Social issues during the Community Field Work of the students in various selected villages of Agra district.
- Majority of the students (Batch 2022-24) have been appointed as Management Trainee Executive Trainee (HR) in different reputed organization through Campus Placement and during their Block Placement Training(Torrent Gas Ltd., JBM Group, and Vardhaman Textile Group etc.).
- Organized a National Seminar on "Relevance of Dr. Bhimrao Ambedkar'sThoughts and Philosophy in Present Scenario" on the occasion of Ambedkar Jayanti at Jubilee Hall, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra, dated April 14th, 2024.

Department of Statistics

Department of Statistics is an integral part of Institute of Social Sciences. Institute has 65 years' legacy of imparting Higher Education and Training in Research in the field of Sociology, Social Work and Statistics. The main objective of the establishment of this Institute was to impart quality based professional education to the students in the fields of Social Sciences, Social Work and Statistics through interdisciplinary approach and also to conduct seminars, conferences and work shops in the areas of Social Sciences and Statistics to develop the Institute as a centre of specialization and excellence. With this consideration, Department of Statistics was established in the Institute as an important constituent Department of Institute of

Social Sciences along with Social Work and Sociology. The Department of Statistics came into existence in 1956. Which is the second oldest Statistics Department of U.P. and is third oldest Department of Northern India. The vision of the Department is to attain peaks of excellence in the dissemination of Statistical Knowledge and Learning with a view to develop Global Competencies and contribute to National Development by generating trained manpower.

Department of Statistics offers following courses:

- D. Sc. (Statistics)
- Ph. D. (Statistics)
- M. Stat. (Master of Statistics) Under NEP-2020
- M.Sc. (Data Science) Under NEP-2020 (Self Finance)
- B.A/B.Sc.(Statistics) Under NEP-2020 (Self Finance)

Current Faculty Profile

- Prof. Vineeta Singh
- Dr. Ranjana Gupta
- Ms. Ritu

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

- Research Paper Published : 1
- Awards and Recognition : 1
- Participation in workshops : 22
- Departmental Activities during one year : 3

Other Information

- Prof. Vineeta Singh delivered invited Talk on"Harnessing SPSS for Data Mining and Statistical Computing at National Workshop on Modelling and Computing Languages organised under the Centre of Excellence, Department of Mathematics, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra held on 20-21 September, 2024.
- Dr. Ranjana Gupta has presented a research paper on Sampling Techniques for Social Science Research at National Webinar on Dynamics of NEP: Rethinking Future of Social Sciences organized by Indian Social Science Association and Madhyanchal Sociological Society from held in January, 2024.

गृह विज्ञान संस्थान

खंदारी में स्थित गृह विज्ञान संस्थान की स्थापना 1968 में हुई थी। प्रारंभ में इसका नाम घरेलू कला और गृह विज्ञान संस्थान रखा गया था। शुरुआत में बी.ए. घरेलू कला, और बी.एससी. गृह विज्ञान, दो साल के पाठ्यक्रम अपनाए गए। 1970 में, एम.ए. घरेलू कला, और एम.एससी. गृह विज्ञान, पाठ्यक्रम शुरू किये गये। स्नातक डिग्री स्तर पर गृह विज्ञान प्रसारशिक्षा विभाग की स्थापना वर्ष 1972–73 में निदेशालय, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के तहत की गई थी।

बाद में संस्थान का नाम बदलकर गृह विज्ञान संस्थान कर दिया गया। तदनुसार, आगरा विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान संकाय की स्थापना 1980 में साथ पांच विभागों के साथ की गई थी–

- गृह विज्ञान शिक्षा एवं प्रसार विभाग।
- खाद्य एवं पोषण विभाग।
- बाल विकास विभाग।
- वस्त्र एवं कपड़ा विभाग।
- गृह प्रबंधन विभाग।

वर्ष 1995 में, उपाधियों का नाम बदलकर बैचलर ऑफ होम साइंस (बीएससी) और मास्टर ऑफ होम साइंस (एमएससी) कर दिया गया।

डॉक्टोरल कार्यक्रम 1980 में शुरू किया गया था।

स्नातकोत्तर स्तर पर विशेषज्ञता 1988 में तीन विभागों में शुरू की गई थी : • खाद्य पदार्थ और पोषण • मानव विकास और परिवार अध्ययन • गृह विज्ञान प्रसार संचार एवं प्रबंधन

विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण–

- बी. एस. सी. (गृहविज्ञान)
- एम. एस. सी. (सामान्य)
- एम. एस. सी. (आहार एवं पोषण)
- एम. एस. सी. (मानव विकास)
- एम. एस. सी. (प्रसार शिक्षा एवं सामुदायिक विकास)
- एम. ए. (गृहविज्ञान)
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (आहार)
- डिप्लोमा परिधान डिजाइन
- डिप्लोमा वस्त्र डिजाइन
- सर्टिफिकेट कोर्स एन. जी. ओ. प्रबंधन

संस्थान में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- प्रो. अचला गक्खड़
- डॉ. संघमित्रा गौतम
- डॉ.रश्मि शर्मा
- डॉ. अनुपमा गुप्ता
- मिस प्रिया यादव
- डॉ. प्रीति यादव
- प्रो. अर्चना सिंह
- डॉ. ममता सारस्वत
- डॉ. नेहा सक्सैना
- डॉ. दीप्ति सिंह
- मिस कनु प्रिया (शिक्षण सहायक)

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- समझौता ज्ञापन : 03
- शोधपत्र : 13
- पुरस्कार : 02
- एफडीपी : 14
- प्रोजेक्ट्स : 03
- पुस्तक प्रकाशन : 06
- संगोष्ठियों में सहभागिता : 14
- सर्वोत्तम प्रथायें : महिला अध्ययन केन्द्र एवं बापू बाजार

मौलिक विज्ञान संस्थान (आई.बी.एस.)

Department of Physics

The Department of Physics was established in 1981 by introducing a M.Phil. (Physics) course and engaged in research and academic activities since last 43 years. At present, M.Sc. (Physics) course is running in the Department of Physics under National Education Policy-2020. The Graduation Course under National Education Policy-2020 with the collaboration of other Science Faculty departments is also running in the Department. Efforts have been always made to develop the Department as a leading research center in the selected areas of recent Physics. Such areas are Condensed Matter Physics, Solid State Physics, Solar Physics, Material Science, Renewable energies and Nanotechnology. Remedial Classes scheme has been implemented in the Department. Under Tutor guardian scheme, every teacher is guardian of the assigned students and responsible for the complete development

of students, taking care of the physical, mental, emotional and psychological development. Biometric attendance is compulsory and supervision of departmental activities were carried out under CCTV cameras.

Courses : ● Ph.D. (Physics) ● M.Sc. (Physics) ● B.Sc. (Physics)

Faculty -

1 Dr. Bindu Shekhar Sharma, M.Sc. (Physics), M.Phil., Ph.D.
2 Dr. B. P. Singh, M.Sc. (Physics), M.Phil., Ph.D.
3 Dr. Ashutosh Dwivedi, M.Sc. (Physics), Ph.D.

Research Publications / Conferences : 04

Activities : 05

Personal achievement :

A Research Project has sanctioned to Physics Department by U.P. State Govt. under Prof. B.P. Singh in the field of Solar Energy.

Department of Chemistry

Department of Chemistry, Dr. BhimraoAmbedkar University, Agra was established in the year 1981 for M.Phil. and Ph.D. programmes and later on in the year 1996 M.Sc. Programme were started. Department follows semester system, which includes regular Seminars, Assignments, Periodical tests, Practical's and research work as part of curriculum. In 2022 Department has started B.Sc. (Science) course. The curriculum in all the courses have been designed as per the NEP guidelines. This Department is well known for excellent research and academics and from the very beginning has strived hard for quality teaching and research and have played significant role in the field of spreading the scientific knowledge among the students who are placed in good position in the field of academics, Industry, R&D and in National & International Institute etc. Faculty of this Department up to now have published more than 500 papers in National and International Journals of repute, awarded more than 100 doctorates and 300 M.Phil. Faculty members of the Department are life members of different organizations like Indian Science Congress Association, Kolkata, Indian

Chemical Society, Kolkata, Institute of Chemists, Kolkata, Indian Council of Chemists, Agra etc. Every years many students qualify UGC-CSIR(NET) Examination. The thrust areas of research are in the field of Green chemistry, coordination chemistry, environmental chemistry, macrocyclic chemistry, polymer chemistry and Nano chemistry. Department is well equipped with instrument like AAS, FT-IR(ATR &KBr) UV-Visible spectrometer, Gas Chromatograph, Microwave Synthesizer, Aerosol Black Carbon detector, GRIMM Aerosol spectrometer, high and low volume air samples etc. The Department has remained FIST(DST) supported from 2012-2017. The Department Faculty has carried out many projects sponsored by UGC, CSIR, DST (New Delhi), State Government, DRDO etc.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Ph.D in Chemistry
- M.Sc. Chemistry
- B.Sc

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

1. Prof. Ajay Taneja, M.Sc., Ph.D., NET, FICC, FICS, MNASc
2. Dr. Devendra Kumar, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
3. Dr. Gautam Jaiswar, M.Sc., NET, Ph.D.
4. Dr. Amit Gupta, M.Sc., Ph.D.
5. Dr. Pratibha Agarwal, M.Sc., NET, Ph.D.

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ

- Projects : 04
- Papers and chapters in the year 2024 : 14
- Workshop, FDP, Seminar organized/attended in Department : 28

Department of Mathematics

The Department of Mathematics at Agra University (renamed as Dr. Bhimrao Ambedkar University)started in 1981 to run M.Phil. program. Later on, M.Sc., M.C.A., Diploma and Certificate courses in Computer Science were introduced. The Department has been supported by National Board for Higher Mathematics. At present, the Department is also the Centre

of Excellence in Mathematics (U.P. State Govt,). The faculty members are regularly attending seminars/conferences in India and abroad. The Computer Lab of the Department is equipped with 15 computers with MATLAB software. All the classrooms have become Smart Class Room with financial support under RUSA. The research areas in the Department have been Fluid Mechanics, Operation Research, Reliability Theory, General Topology, Complex Analysis, Bio Mathematics, Mathematical Cryptography and Fuzzy Mathematics. The Department has organized several workshops and conferences (including ORSI, IAPS, VPI, Ramanujan Mathematical Society etc.). The Department in its existence of 38 years has produced more than 75 Ph.D. during this period, the faculty members have published more than 400 research articles and completed more than a dozen research projects. The faculty members have also contributed by writing several books (including those for NCERT and UGC) and by Video lectures for UGC classroom project.

Courses offered by the Department : • B.Sc. • M.Sc. • Ph.D.

Faculty Details:

1. Prof. Sanjeev Kumar, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
3. Prof. Sanjay Chaudhary, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
3. Dr. Sadhna Singh, M.Sc., M.Phil., Ph.D.

Conference, Seminars and Workshop organized in the Department : 08

Research Paper Publication : 12

Book Publication : 02

Invited Lectures/Resource Person (self) : 05

Other information:

- Two of professors of the Department worked as Pro-Vice-Chancellor of the university and one professor served as Vice-Chancellor in Purvanchal University, Jaunpur.
- Prof. Sanjeev Kumar is working on a three years research project entitled "Mathematical Modelling of tumor growth and its treatment" funded by UP State Government.
- Department has got Centre for Excellence in 2022 by U.P. State Govt. a grant of Rs. 16,24,000 is received for the same.
- Every year some of students from the Department qualify CSIR-NET and GATE examinations.
- Professors from the Department delivered lectures in National and International Conferences.

Department of Pharmacy

The Institute of Pharmacy and Paramedical Sciences formerly known as Department of Pharmacy, established in 2002 under the Faculty of Medicine at Dr. Bhimrao Ambedkar University in Agra, is a premier institute in Uttar Pradesh. Its founding mission was to promote excellence in pharmacy education and to prepare future professionals to meet the challenges of the pharmaceutical industry, academia, research, and development by leveraging cutting-edge technologies and resources.

The Pharmacy Council of India (PCI), New Delhi, has approved all the courses, D. Pharm, B. Pharm, M. Pharm, and Pharm.D. programs. In 2023, the Department was upgraded to the Institute of Pharmacy and Paramedical Sciences, now encompassing five Departments :

• Department of Pharmaceutics • Department of Pharmaceutical Chemistry • Department of Pharmacology • Department of Pharmacognosy • Department of Pharmacy Practice

Details of courses conducted in the Department

- D.Pharm
- B. Pharm
- M.Pharm (Pharmaceutics, Pharmacognosy, P. Chemistry)
- Pharm.D
- Pharm.D (PB)

Teaching Faculties :

- Dr. Brijesh Kr. Tiwari, M.Pharm, Ph.D.
- Dr. Manoj Kr. Yadav, M.Pharm, Ph.D.
- Vijay Kumar Yadav, M.Pharm, Ph.D.
- Swetlana, M.Pharm, Ph.D.
- Arinjay Jain, M.Pharm, Ph.D.
- Sanjeev Kumar, M.Sc.
- Dr. Ravi Shekhar, M.Pharm, Ph.D.
- Dr. Pratibha Mishra, M.Pharm, Ph.D.
- Gyanendra Singh, M.Pharm, Ph.D.
- Gaurav Rajoriya, PharmaD
- Dr. Kesar Singh, M.Sc., Ph.D.

दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान

1994 में स्थापित दाऊ दयाल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने वाला व्यावसायिक शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान है। शिक्षा और अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण को देखते हुए, ये पाठ्यक्रम गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर ध्यान देने के साथ अधिक प्रासंगिक और रोजगार–उन्मुख हैं। पाठ्यक्रम के दौरान छात्रों को शिक्षण, प्रयोगशाला कार्य, कौशल विकास, नौकरी का प्रशिक्षण, परियोजना कार्य, औद्योगिक भ्रमण आदि जैसे विभिन्न मापदंडों पर तैयार किया जाता है, जिससे राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव डाला जा सके। यह परिकल्पना की गई है कि संबंधित क्षेत्र में अपने मूल अनुशासन और विशेषज्ञता के अच्छे ज्ञान के साथ पेशेवर रूप से योग्य स्नातकों को सेवा, उद्योग और स्वरोजगार क्षेत्रों में अधिक अवसर मिलेंगे।

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- B.Sc (Vocational)
- B.Com. (Vocational)
- B.Com (NEP)
- M .Sc.
- M.Com.
- Ph. D (Instrumentation)

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Prof. Santosh Bihari Sharma, Ph.D.
- Prof. S. Chandra Upadhyaya, Ph.D.
- Dr. Praveen Kumar, Ph.D.
- Dr. Krishna Kumar Pachauri, Ph.D.
- Dr. Kaushal Rana, Ph.D.
- Dr. Sanjeev Sharma, Ph.D.
- Dr. Ashish Mishra, Ph.D.
- Mr. Naveen Kumar Gupta, Ph.D.
- Dr. Shikha Kannojia, NET, Ph.D.
- Ms. Keerti Saraswat, M.Tech.
- Mr. Nishant Chauhan, M.Com., NET
- Mr. Nidhi, M.Com., NET
- Dr. Upasana , Ph.D.
- Mr. Sunil Kumar, M.Tech.

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- **संगोष्ठी सहभागिता : 01**
- **कार्यशाला, संगोष्ठी : 01**
- **शोध पत्र प्रकाशित : 05**
- **पुस्तक प्रकाशनः 02**

अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (आई.ई.टी.)

The Institute of Engineering & Technology (IET) is integral to Dr. Bhirrao Ambedkar University, Agra (formerly Agra University). It is located at the Khandari Campus in Agra, Uttar Pradesh, and is approved by the AICTE (All India Council for Technical Education). The institute follows an outcome-based, student-centric education model and is currently undergoing transformations that enhance its teaching-learning environment.

Each Department is equipped with modern laboratories and advanced facilities to support learning and research. Additionally, IET has set up a Language Lab with 30 high-performance computers, advanced English language software, audio-visual equipment, high-speed internet, and an air-conditioned environment for better learning experiences.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Computer Science Engineering
- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Electronics & Communication Engineering
- Civil Engineering

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Er. Ajeet Singh Yadav
- Er. Nagendra Singh
- Er. Manish Dixit
- Dr. Rajesh Lavania
- Er. Prashant Maharishi
- Er. Aditi Ajeet Kumar Gupta
- Er. Chandan Kumar
- Er. Anil Singh
- Er. Diksha Jain
- Er. Ajay Yadav
- Er. Mayanka Saket
- Er. Dheeraj Singh
- Er. Ankita Maheshwari
- Dr. Shalini Sharma
- Dr. Sunil Kumar
- Dr. Ratna Pandey
- Dr. D. Shakina Deiv
- Er. Shivam Srivastava
- Er. Ashish Sharma
- Er. Vipin Kumar
- Er. Saurabh Pachauri
- Er. Harvir Singh
- Er. Saurabh Garg
- Dr.Pragya Kabra
- Er. Shikhi Agarwal
- Er. Shobhit Mohan Sharma
- Er. Pratap Singh Birla
- Dr. Greesh Kumar Singh
- Dr. Mukesh Kumar Baghel
- Dr. Shilpi Lavania
- Er. Amol Kumar
- Dr. Rekha Sharma
- Mr. Pushpendra Singh
- Dr. Sangeeta
- Dr. Ashok Kumar Singh
- Dr. Ajay K.Verma
- Er. Rishabh Upadhyay

ACHIEVEMENTS OF IET STUDENTS

WINNER AT HACK-A-SOL 3.0 @ IIIT NAYA RAIPUR

A team from IET, named IET_JET, won the first prize at HACK-A-SOL 3.0 at IIIT Naya Raipur in the AI/ML track. The team included two students from the Computer Science Department and one from the Electronics and Communication department. Er. Aditi Gupta (CSE department) mentored the winning team and received Rs. 5,000 as prize money.

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ : 06

विभागीय गतिविधियाँ : 23

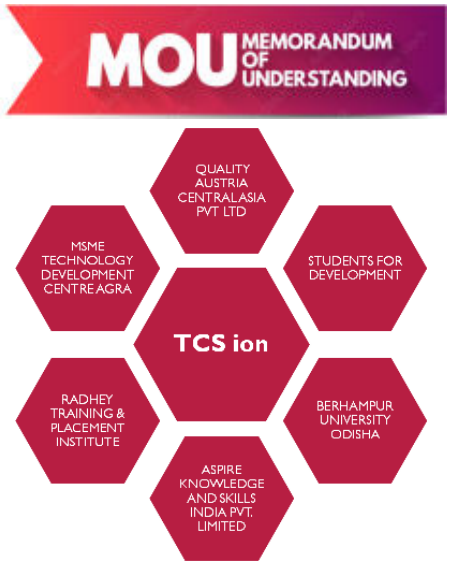

सेठ पदम चन्द जैन प्रबंध संस्थान

Seth Padam Chand Jain Institute, established in 1993, aims to create professionally qualified students, addressing management needs in the region. With experienced faculty using diverse teaching methods and a well-equipped infrastructure, including smart classrooms and a rich library, the institute fosters effective learning. Faculty members' offer personalized support to slow learners. Through industry-academia partnerships, the institute collaborates with local businesses, giving students practical business exposure.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- The Institute is offering MBA (Full Time), MBA (Part Time), PGDBM and BBA course

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Prof. Brijesh Rawat, D.Lit, Ph.D., M.Com
- Dr. Ruchira Prasad, Ph.D., MBA
- Dr. Shweta Chaudhary, Ph.D., MBA, NET
- Ms. Jagrati Asija, MBA, NET
- Dr. Y.K. Sharma, M.Sc., M.Phil, Ph.D.
- Dr. Swati Mathur, Ph.D., MBA, MCM
- Dr. Seema Singh, Ph.D., MBA
- Ms. Shweta Gupta, MBA, NET

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- **Workshops and seminar Organized : 18**
- **Social & Cultural Activities Organized : 14**
- **Book/ Book Chapter and Paper Published : 07**

- **Invited talks : 01**
- **FDPs and Workshops : 09**

Student's Achievement

1. Mansi Sharma, student of MBA Received Placement Offer as Resource executive for talent acquisition in March 2024.
2. Rajat pratap singh, student of MBA Received letter of appointment as an Project co-ordinator in March 2024.
3. Anant Agarwal of BBA 2021-24 batch got admission in IIM Amritsar.
4. Karnika Chauhan, student of MBA 2022-24 Joined genpect as an Hr executive 2024.
5. Deepshikha, student of MBA 2022-24 Joined genpect as an Hr executive 2024.

पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान

This Institute came in existence in the year 2003 after the amalgamation of tourism & hotel management courses from the Dau Dayal Institute of Vocational Education & Seth Padam Chand Jain Institute of Management of this university.

The basic aim to establish this institute was to develop entrepreneurs in the field of tourism and hospitality industry as Agra is a part of golden triangle in the countries tourism attractions. There is no doubt that the institute has been succeeded in its aim as the student of this institute has been serving in various fields of tourism and hotel industries throughout the country and abroad.

This Institute has two approved Departments, namely; Department of Travel & Tourism Management and Department of Hotel Management under the supervision of two permanent faculties called Prof. U N Shukla & Prof. Lavkush Mishra besides them Institute also calls fulltime guest faculties Mr. Amit Kumar Sahu, Ms. Vibha Mathur along with many other guest and visiting faculties from the country as well as abroad. Presently, this institute is running following Courses

At present we are running following Courses:

- Ph.D. in Hotel & Tourism Management
- MBA in Travel & Tourism Management
- Post Graduate Diploma in Hotel & Tourism Management
- Bachelor in Hotel Management & Catering Technology
- BBA in Hospitality Management
- BA (Vocational) in Travel & Tourism Management
- Diploma in Food Production

FACULTIES :

- Prof. U N Shukla, Professor & Director
- Prof. Lavkush Mishra, Professor & HOD
- Mr. Amit Kumar Sahu
- Ms. Vibha Mathur
- Mr. Tarun Rana
- Mr. Satyavir Singh Nimesh (Aryabhatt Teaching Assistant)

MoUs : 08

Academic Activities & Achievements:

- The institute has organized many academic and other activities in this academic session and the faculties of this institute have also participated in many other academic work beyond this university. Some of them are as such:
- Prof U N Shukla has been appointed as an external member in the School Board of Economics, Management and Information Sciences, NEHU Shillong for two years from Oct 4,2023 onwards.
- Prof U N Shukla attended the National Workshop on "Intellectual Property Rights(IPR-2024) sponsored by Council of Science & Technology, Uttar Pradesh organized by IPR Cell & Deptt. of Chemistry Dr. Bhimrao Ambedkar University Agra on 17th Feb 2024.
- Prof U N Shukla has been honoured by Amity University, Madhya Pradesh, Gwalior for his invaluable contribution in Faculty Development Programme on Paradigm of Teaching, Learning, Research & Innovation in Higher Education from 25-31 July 2024 organised by Directorate of Research & Publication.

ललित कला संस्थान

"A sincere artist is not one who makes a faithful attempt to put on to canvas what is in front of him, but one who tries to create something which is, in itself, a living thing." Art and culture are the unspoken languages which are understood and enjoyed all over the world. The Lalit Kala Sansthan of visual and performing arts, a self financing institute of Dr. Bhimrao Ambedkar University, is one such institution where this universal language is preached. Established in November, 2000 this institute is a centre of diverse arts and a mirror image of the world around us. The teachers here not only aim at teaching the students to express their thoughts but also guide their thoughts towards the right direction. Students are encouraged to expose their creativity with independence as each student has a distinct way of expression and depiction.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- B.F.A. : Painting, Applied Art , Sculpture, Indian Music
- M.F.A. : Painting, Applied Art, Sculpture, Indian Music

- Diploma : Painting, Applied Art, Sculpture, Indian Music
- B.A. : Drawing & Painting, Vocal Music, Fine Art

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Dr. Shardool Mishra, Ph.D., M.F.A., B.F.A.
- Dr. Mamta Bansal, Ph.D., M.A., B.A., B.Ed.
- Dr. Manoj Kumar, Ph.D., M.A., B.A.
- Dr. Sheetal Sharma, Ph.D., M.A., B.A.
- Dr. Arvind Rajput, Ph.D., M.F.A., B.F.A.
- Mr. Devendra Kumar Singh, NET, M.F.A., B.F.A.
- Mr. Deepak Kulshrestha, M.A., B.A.
- Dr. Ganesh Kushwah, Ph.D., NET, M.F.A., B.F.A.
- Mr. Devashish Ganguly, NET, M.A., B.COM.
- Dr. Alka Sharma, Ph.D., NET, M.A., B.A.
- Mrs. Parul Jurel, NET, M.F.A., B.F.A.

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- Workshops : 16
- Seminars : 17
- MoUS : 04
- Publications : 11
- Books : 04

ललित कला संस्थान में सजी हैं कलाकृतियां, प्रदर्शनी 11 तक

आगरा। कला आचार्य प्रदर्शनी-2023 शुक्रवार को ललित कला संस्थान में शुरू हो गई। राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश एवं ललित कला संस्थान संयुक्त रूप से इसका आयोजन कर रहे हैं।

शुभारंभ कुलपति प्रो. आशु रानी ने किया। प्रदर्शनी के संयोजक डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी में आगरा के अलावा फिरोजाबाद, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कासगंज, हाथरस, मथुरा आदि के कला शिक्षकों का सृजन प्रदर्शित किया गया है।

डॉ. दिनेश मौर्य, डॉ. रेखा ककरुड़, प्रोफेसर अश्वनी शर्मा, डॉ. नीलम कांत, भावना चौधरी, रश्मि सिंह, डॉ. मोना मिश्रा, रेशमा भसीन, नीतू सिंह, मीतू सिंह, गोविंद राम, डॉ. शार्दुल मिश्रा, डॉ. अरविंद राजपूत आदि की कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी 11 दिसंबर तक लगी रहेगी। संस्कार भारती के क्षेत्र उपाध्यक्ष नंदन गर्ग, डॉ. साधना सिंह, प्रो. सुगम आनंद, प्रो. सुंदरलाल, प्रो. लवकुश मिश्रा, डॉ. मनोज राठौर, त्रिलोक शर्मा आदि उपस्थित रहे। संवाद

ललित कला संस्थान में शुक्रवार को कला आचार्य प्रदर्शनी-2023 में मौजूद कुलपति प्रो. आशु रानी व अन्य। संवाद

पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान

Pt. Deen Dayal Upadhyay institute for rural development is an integral part of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra. It was established under self finance scheme in 1999 for promoting teaching and research in rural development and other related disciplines. The institute right from its inception had strived for quality teaching and research. The institute follows NEP-2020 semester

system which includes regular seminars, assignments, periodical tests, field work and research work as a part of curriculum. The thrust areas have been studies related with Pt. Deen Dayal Upadhyay, Rural Development, Disaster Management, Corporate and Social Responsibility.

Courses Details

- Master of Human Resource Management (MHRM)
- M.A. (Disaster Management)
- M.A. (Public Administration)
- M.A. (Rural Development and Management)
- PG Diploma in Disaster Management
- PG Diploma in Corporate Social Responsibility

'स्मार्ट सिटी में होनी चाहिए आपदा से निपटने की बात'

Faculty :

- Dr. Manoj Kumar Singh, M.A., Ph.D. (Director)
- Dr. Ayush Mangal, M.Sc., Ph.D. (Asst. Professor)
- Dr. Abha Singh, M.A., Ph.D. (Asst. Professor)

शारीरिक शिक्षा संस्थान

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग की स्थापना 1969 में हुई थी। शारीरिक शिक्षा विभाग अत्यंत महत्वपूर्ण विभिन्न खेल क्रियाओं में शारीरिक शिक्षा के लिए समर्पित, अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से अत्यंत उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है। शारीरिक शिक्षा के छात्र–छात्राएँ जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही अनेक शैक्षिक संस्थानों एवं प्रशिक्षण केन्द्रों पर सफलतापूर्वक शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। अपनी योग शिक्षा के द्वारा शारीरिक शिक्षा विभाग आत्म अनुशासन एवं जीवन के योग क्रम को प्रोत्साहित कर रहा है।

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम

● बी.पी.ई.एस. (त्रिवर्षीय एवं 6 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), ● बी.पी.एड. (द्विवर्षीय एवं 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), ● एम.पी.ई.एस. (द्विवर्षीय एवं 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), ● पी.जी. डिप्लोमा इन योगा एजूकेशन (एकवर्षीय योग डिप्लोमा), ● बी.ए. इन योगा (त्रिवर्षीय एवं 6 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), ● एम.ए. इन योगा (द्विवर्षीय एवं 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम)

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- डॉ. अखिलेश चन्द्र सक्सैना, विभागाध्यक्ष, एम.ए.,एम.पी.एड.,पीएच.डी. (राज्य स्तर खिलाड़ी)
- डॉ. सिंधुजा चौहान, एम.पी.एड.,पीएच.डी.

- डॉ0 महेश सिंह फौजदार, एम0पी0एड0,पीएच0डी0
- डॉ0 उरदेव सिंह तोमर, एम0पी0एड0,एम0फिल0, पीएच0डी0
- डॉ0 श्यामवीर सिंह, एम0पी0एड0,एम0फिल0, पीएच0डी0
- श्री रवि शंकर वर्मा, एम0पी0एड0,नेट

खेल प्रसार गतिविधियाँ : 05

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ :

जीवन विज्ञान संस्थान (स्कूल ऑफ लाइफ साइंस)

Department of Zoology

Department of Zoology was established in the year 1983. The two year M.Phil (currently it is discontinue) and M.Sc. programmes in Zoology is based on the Semester system with objective to produce manpower in the applied areas. Every year 25 students are admitted on the basis of the merit/ University entrance test.

The vision of Zoology Department is to Educate & trained the students to have in-depth knowledge of the subjects in the applied field of Zoology. Making students confident for R & D activities and can also be placed in Govt Degree Colleges, Aided degree colleges thorough UPHEC, multi national and national Institutes and companies.

The Department maintains its mission as to advance the cause of higher education. Provide a sound academic background for an overall development of personality for a successful career in Zoology. Inculcate in students the right skills oriented towards self-development. Inculcate in students the need for the value of dignity of labour and the attitude. Community orientation and civic responsibilities in their outlook. Develop an orientation towards the national and global needs as responsible citizen.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Ph.D. Zoology
- M.Sc. Zoology
- B.Sc.

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Prof. P.K. Singh, Ph.D.
- Dr. AnkitaTripathi, Ph.D.
- Ms. Divya Pal, MSc., NET

Academic Progress: 04

Research Publications: 04

Conference: 02

Extra-Curricular Activities/Awards : 08

Department of Botany

The Department was established in the year 1990 with M. Phil. and Ph. D. Botany while M.Sc. Botany course was came into existence in the year 1997. B.Sc. Life Science (Botany) course started from 2022. Department have well equipped laboratory with modern instruments and enriched with learning resources like smart class rooms with electronic boards, models, charts, slides, specimens, herbarium etc. Department also have a wonderful Botanical Garden name "Sur Udhyan" having Navgrah and Arogya Vatika along with the few rare and endangered medicinal plants. Department regularly organizes different curricular activities like seminars, workshops, tree plantation drive, geo-tagging of plants for their identification and invited lectures time to time. Department of Botany has also started value added courses viz. Kitchen Gardening and Plant Tissue Culture for the students of different streams like Chemistry, Home Science etc. and recently introduced Plant Resource Utilization and Conservation course as minor paper for the students of various streams.

Courses:

- B.Sc.
- M. Sc. Botany
- Ph. D. Botany

Faculty :

- Prof. Rajneesh Kumar Agnihotri, Professor, Ph.D, FIBS
- Dr. Purti Chaturvedi, Guest Teacher, Ph.D
- Dr. Anamika Upadhyay, Guest Teacher, Ph.D

महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- Workshop : 03
- Invited Lecture : 02
- Research Paper : 06
- Departmental Activities : 04

Department of Biotechnology

Department of Biotechnology was established in the year 1997offers Postgraduate and Doctoral degrees with an objective to generate competent man power in the diverse field of Biotechnology.

Course :

- M.Sc. Biotechnology
- Ph.D.

Faculty :

- Dr. Monika Asthana , Ph.D.
- Dr. Avnish Kumar, Ph.D. NET JRF
- Dr. Pramod Kumar, Ph.D. NET JRF, ICMR JRF, ICAR JRF, GATE
- **Workshop/Invited Talk : 02**
- **Research Papers/Conferences/Workshop/FDP : 07**
- **Patent by the Faculty : 02**
- **Awards of Faculty : 04**

Research Papers :

- Monika Asthana (2024) "Isolation of Rhizobium Bacteria from root nodules of Vignaradiata and evaluating the production of beta-polyhydroxy butyrate under the influence of different carbon sources" in the International Conference on "International Conference on Fungal Biology and Plant-Microbe Interactions 2024" to be held at BHU, Varanasi from 16 to 18 Feb, 2024.
- Monika Asthana, Avnish Kumar (2024) "Antimicrobial activity of Glycyrrhizaglabra chloroform extract" in II International Conference "Multidisciplinary Studies, Technological Innovations & Research" organized by the Institute of Applied Medicines and Research, Ghaziabad held on 15-16 March, 2024.

Department of Biochemistry

The Department of Biochemistry was established in 1997. It is approved by Higher Education, Government of Uttar Pradesh. The "Department of Biochemistry" envisions an ambience of excellence, inspiring value-based education, research and development.

M.Sc programme is designed to trained and expose the students for the cutting edge developments in the area of Biochemistry/Biomedical Engineering/ Biotechnology/ Pharmacological Science/ Forensic Science/ Nutrition / Microbiology /Bioinformatics/ Nanotechnology /Nutraceuticals because these are the part of Biochemistry syllabus and their applications in industry, agriculture and medicine.

Courses Offered : • B. Sc. • M.Sc.

Faculty Details :

- Dr. Udita Tiwari, Ph.D.(Biochemistry)
- Dr. Neelu Sinha, Ph.D. (Biochemistry)
- Mr.Yogendra Pratap Singh, M.Sc, CSIR NET, GATE
- Conferences/Seminars / Workshops/Invited Talks organised : 12

Department of Microbiology

Department of Microbiology was established in the year 1998 offers postgraduate and doctoral degrees with an objective to generate competent man power in the diverse field of Microbiology.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- M.Sc. Microbiology
- B.Sc. Faculty of Life Science (Microbiology as a subject)
- Ph.D. Microbiology

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Dr. Surabhi Mahajan, Ph.D.
- Dr. Ankur Gupta, Ph.D.

List of Achievements by the Faculty members in Last one year :

- Research Paper : 04
- Invited Lecturer/Organising Secretary : 06

Any other Information :

1. Department Microbiology and Biotechnology has organize a invited lecture on Exploring genome wide gene expression response to RAP1 titration by Mr. SiddhantKalraWeslwyan university, Middletown, Connnecticut, USA on 13th August, 2024
2. Department of Biotechnology and Microbiology in collaboration with Parijat Foundation organize a workshop on Seed balls: The fun and Easy way to restore Nature and Environment on 2nd August, 2024.
3. Dr. Harsh Kumar (worked as Assistant Professor in the department till June 2024) Selected in theUPPSC,State Government Public Analyst (Food Microbiologist) in the Department of Food and Drug Administration (FDA), Year-2024
4. Dr. Sanjeev Kumar, (a Alumina of the department 2005) Selected in the UPPSC, State Government Public Analyst (Food Microbiologist) in the Department of Food and Drug Administration (FDA), Year-2024
5. MsShikhaKushwaha of M.Sc. Microbiology II year cleared Biotechnology Elighbitlity Test (BRET) of Department of Biotechnology- 2024 (Roll no UP01016902).

Department of Environmental Studies

In view of growing concern for environment and in the light of Honourable Supreme Court's directive in this regard, and on the advice and guidelines, for the purpose, provided by the UGC, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra started the Department of Environmental Studies in 1998 andUGC has given the financial support to the department. The department was established to endeavor for excellence, to attain sustainable development, to instruct guidance for capacity building, to deal with various environmental challenges in an eco-friendly manner. The faculty members of department have exposure to reputed national and international organizations of different specialization and are engaged in extensive research in the different areas of environmental sciences and research work is published in highly reputed national and international journals. The department effectively guides the students throughout the study period and Alumni of the department have been serving in various sectors of environmental services such as government, PSUs and private sector. Department offers professional and job-oriented course curricula, to support research activities and to offer consultancy and extension activities. The department is providing platform in various dimensions to the students to participate in various cultural, co- curricular activities organized by the department and different cells of the university. Department offers B.Sc.(Faculty of Life Science) Environmental Science as a major subject, M.Sc and Ph.D. in Environmental Science.

Objective and Aim:-Department of Environmental Studies is established to promote environmental education to prepare specialized human resources generate environmental awareness and aim of the department is to create and maintain excellence in environmental science and contribute knowledge and effort in bringing up rich posterity. The prime objective of the programme is to reach the unreached and help to provide environmental education at the doorstep of the learners. Curriculum has been designed to attract young minds to choose a career in broad areas of Environmental Science and applications.

Courses Offered :

- Ph.D. Environmental Science
- Post-Graduate Degree (M.Sc.) in Environmental Science Two years (4 Semester) Under New Education Policy (NEP) .
- B.Sc. Under New Education Policy (NEP)

Faculty in the Department :

- Prof. Bhupendra Swarup Sharma , M.Sc., Ph.D.
- Dr. Nibha Jadon, M.Sc., Ph.D.
- **Research Paper Published: 02**
- **Research Papers Presented in Conference : 04**

Departmental Social and Cultural Activities :

(A) Department of Environmental studies celebrated World Environment Day 5 June 2024Theme- Restroing land, Combating desertification and Building Resilience to drought. Students of Environmental studies make chandelier light by the use of waste bottles under the theme.

(B) Plantation Program was organized by Department of Environmental Studies on the occasion of World Environment Day (5th June 2024).

(C) Students, faculty members and staff of Department of Environmental Studies participated in10th International Yoga Day -2024 organized by Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra.

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

The Department of Computer Science was established in 1994 and offers a range of courses, including MCA, PGDCA, M.Sc. (CS), and Ph.D. in Computer Science. In 2011, a restructuring committee was established to optimize academic and administrative resources. This led to the integration of the Department of Computer Science with the Institute of Engineering & Technology to enhance collaborative efforts and streamline operations.The primary aim of the department is to provide high-quality, industry- and research-oriented education that equips students with the skills needed to tackle real-world problems. The focus is on training computer professionals who can thrive in academia, the IT industry, and research settings, fostering a robust teaching and research environment.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- M. Sc. (CS) • MCA • PGDCA • Doctor of Philosophy

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Dr. Virendra Kumar Saraswat, Ph.D
- Dr. Manoj Kumar Upadhyay, Ph.D
- Mr. Raj Kumar, MCA
- Ms. Pratibha Rashmi, MCA, NET
- Dr. Sadhna Golash, Ph.D
- Dr. Manu Pratap Singh, Ph.D
- Dr. Sandeep Kumar Jain, Ph.D
- Dr. Amit Singhal, Ph.D
- Mr. Hareram Kumar, MCA, NET

Academic Activities :

- Patents : 09
- Research Project : 05
- Workshop & Seminar : 04

इतिहास एवं संस्कृति विभाग

The Department of History & Culture was established in the year 1985 with M. A. and M.Phil Course in V.C Recidence, Paliwal campus. In the year 2000 the archival study, P.G.Diploma in Hotel Management and Gandhian study center course was started. Professor Pratima Asthana was the founder Head of this Department. Professor A.K singh , Professor Sugam Anand and Professor Anil Verma was the Head of the Department in previous year, now Professor B.D Shukla is the Head of the Department at present. Studying history allows us to observe and understand how people and societies behaved. For example, we are able to evaluate war, even when a nation is at peace, by looking back at previous events. History provides us with the data that is used to create laws, or theories about various aspects of society. To study history is to study change:

Historians are experts in examining and interpreting human identities and transformations of societies and civilizations over time. They use a range of methods and analytical tools to answer questions about the past and to reconstruct the diversity of past human experience how profoundly people have differed in their ideas, institutions, and cultural practices; how widely their experiences have varied by time and place, and the ways they have struggled while inhabiting a shared world. Historians use a wide range of sources to weave individual lives and collective actions into narratives that bring critical perspectives on both our past and our present. Studying history helps us understand and grapple with complex questions and dilemmas by examining how the past has shaped (and continues to shape) global, national, and local relationships between societies and people. History in the mirror which reflects the entire generation of mankind. It is to in act motion of philosophy. It helps us in learning not only about the past but also it helps us to learn about our mistakes and give solution to overcome them and move forward. We can say that History subject is very important subject in human life. This is fact that this subject is also useful for competitive examination, because in every competitive examination, more than 30% question are concern with History subject. So for study purpose it is more preferable for P.G. students.

Courses : ● M.A. ● Ph.D. ● Post-Graduation Diploma in Archival Studies and Museology

Faculty :

- Prof. B.D. Shukla, NET, Ph.D.
- Prof. Sugam Anand, D.Litt, Ph.D.
- Prof. Hema Pathak, M. Phil , Ph.D., LLB
- Dr. Amit Kumar Sharma, NET, Ph.D.
- Dr. Hemant Kumar, NET, Ph.D.
- Dr. Gopal Vashishtha, NET, Ph.D.

Academic Activities :

- Research Paper : 05
- Webinar : 02
- Invited Lecturer : 02

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

The Department of Library Science & Manuscriptology was established in the year 1984 with the Degree Bachelor of Library Science & Manuscriptology under the Directorship of Pt. Vidyanivas Mishra (a renowned scholar of Hindi). In the year 1996 Master of Library & Information Science Course was introduced. Due to application of computer and information technology in libraries the name of the Department changed from Library Science & Manuscriptology to Library and Information Science. In the year 1998 Ph.D. Programme has also been launched. Department has its own building near central library at Paliwa Prak Campus. The Seniors Professional like Prof. Mohd. Sabir Hussain, Prof. S.M. Tripathi, Prof. M.T.M. Khan, Prof. Pandey Sharma, Dr. B.K. Sharma have been associated with the department. Now the department is under headship of Prof. U.C. Sharma.

Courses: • B.Lib. Science • M.Lib. Science • B.A.

Faculties: • Prof. U.C. Sharma • Mrs. Shivi Dwivedi • Mr. Akhil Sharma

- Achievements in Last One Year by Departmental Teachers
  - i. Prof. U.C. Sharma: Published a Book Chapter entitled " Literacy of Plagiarism Detection Tools and Policies: A Review published by Shree Publishers, ISBN 9788119448098
  - ii. Prof. U.C. Sharma: Signed MoU with GLA University, Mathura
  - iii. Prof. U.C. Sharma: Signed MoU with Agra College, Agra
  - iv. Mrs. Shivi Dwivedi: Published a Book entitled "Beyond the Screen: Developing

विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र

The University Computer Centre (UCC) was established at Khandari Campus in 1993 by the UGC grant of Rs. 30 lacs.

The University Computer Centre is well equipped with latest devices like printers, scanners and 30 computers of latest configuration few of them have licensed software's and Internet. Presently, University Computer Centre is also assisting in automation work of University. UCC is providing facilities for research scholars of all Department/Institutions and the computing facilities are available from 10am to 6pm. In 2017, Lab has been upgraded with the computer machine with the latest configuration.

Course:

- Bachelor of Computer Application (B.C.A.)
- Post Graduate Diploma in Information Technology(PGDIT)
- Post Graduate Diploma in Web Development (PGDWD)

Faculties :

- Prof. Anil Kumar Gupta • Dr. Meenakshi Choudhary • Dr. Shyamli Gupta
- Er. Sumit Pathak • Er. Sonal Pandey • Er. Sadhana Singh • Er. Neetu Kabra
- Er. Anupama Paras • Er. Prerna Mehta

- **Published Research Paper/Patent/Book : 05**
- **MOU : 03**
- **Workshops/Seminars : 10**

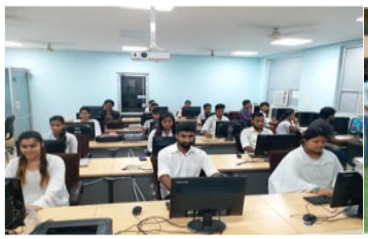

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक केंद्रीयकृत योजना है। राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) को भारतवर्ष के विभिन्न विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में संचालित किया जाता है, योजना का प्राथमिक उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत युवाओं का स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण करना है। वर्तमान में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के अंतर्गत कुल 74 महाविद्यालयों में 112 इकाइयाँ संचालित हैं। सत्र 2024–25 में (सितंबर 2024 तक) विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशाला, जन–जागरूकता व जन सहयोग गतिविधियां जैसे वृक्षारोपण, रक्तदान, मतदाता जागरूकता, फिट इंडिया अभियान, सड़क सुरक्षा अभियान, डिजिटल इंडिया, साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान, हर घर तिरंगा अभियान, अनुभवात्मक शिक्षा कार्यशाला आदि आयोजित की गईं, जिसमें रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग लिया। राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हुए कार्यक्रमों में भी विश्वविद्यालय की सहभागिता सराहनीय रही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना युवा कार्यक्रम विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष युवा स्वयंसेवकों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय गौरव व समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र को एकीकृत करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय एकीकरण शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसमें विभिन्न राज्यों से स्वयंसेवकों को सांस्कृतिक प्रतिभाओं के आधार पर प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त होता है। मार्च 2024 माह में आयोजित हुए राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, सीकर (राजस्थान) में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के 10 स्वयंसेवक तथा राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, इटावा (उत्तर प्रदेश) में 12 स्वयंसेवक व 01 रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी ने प्रतिभाग कर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। 15 अगस्त, 2024 को 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किला, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आयोजित हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार राष्ट्रीय सेवा योजना के दल को शामिल किया गया जिसमें विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के 02 स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया।

5 जून से 31 अगस्त, 2024 तक भारत सरकार द्वारा संचालित "एक पेड़ मां के नाम अभियान" कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ से सम्बद्ध समस्त इकाइयों ने विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कर कार्यक्रम को सफल बनाया। 21 जून, 2024 को 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के स्वामी विवेकानंद परिसर, खंदारी में विशाल योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा सहभागिता की गई। दिनांक 30 जुलाई 2024 को विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ एवं जिला एड्स नियंत्रण सोसाइटी, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में रेड रन मैराथन का आयोजन किया गया साथ ही इस दौरान आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में रा0से0यो0 स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया।09 अगस्त 2024 को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से सम्बद्ध महाविद्यालयों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा शासन से प्राप्त निर्देशानुसार "काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह" के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर युवा स्वयंसेवकों को काकोरी ट्रेन एक्शन के सकारात्मक प्रभावों से अवगत कराया गया। 13 से 15 अगस्त, 2024 तक "हर घर तिरंगा" महोत्सव के अंतर्गत डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ एवं नगर निगम, आगरा के संयुक्त तत्त्वावधान में हर घर तिरंगा रैली का आयोजन करते हुए आजादी के नायकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम के तत्त्वावधान में 07 मार्च, 2024 को भारत आए मध्य एशियाई देशों (कज़ाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताज़ाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज़्बेकिस्तान) के युवा प्रतिनिधि मण्डल को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा आगरा स्थित वैश्विक धरोहर ताज महल व आगरा किला में भ्रमण कराते हुए उन्हें देश व आगरा शहर के इतिहास व संस्कृति से अवगत कराया।

डिजीटलीकरण को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को भारत सरकार के निर्देशानुसार MYBHARAT पोर्टल से जोड़ा गया है। इसी क्रम में वर्तमान सत्र से विश्वविद्यालय रा.से.यो. प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना में 240 घंटे सेवा कार्य व इकाई स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर पूर्ण करने वाले स्वयंसेवकों को ऑनलाइन प्रमाण पत्र प्रदान किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

भारत में एन.सी.सी. 1948 से प्रारंभ हुई। आगरा कॉलेज, आगरा शिक्षा का वह ऐतिहासिक मंदिर है जहां उसी वर्ष अर्थात् 1948 से ही एन.सी.सी. आर्मी विंग प्रारंभ हो गई थी, पहले छात्रों के लिए और तत्पश्चात् 1980 में छात्राओं के लिए आर्मी विंग तथा 1985 में एयर विंग प्रारंभ हो गई थी।

आगरा के एन.सी.सी. अधिकारियों एवं कैडेट्स ने हमेशा से ही अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर अपने सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन द्वारा कीर्तिमान स्थापित किए हैं। भारतीय रक्षा सेवा की तीनों आर्मी, एयर एवं नेवी विंग में आगरा कॉलेज के कैडेट्स विभिन्न पदों पर चयनित होकर देश सेवा कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न पैरामिलिट्री सेवाओं में तथा दूसरे अन्य अधिकारियों के रूप में कैडेट्स राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रतिवर्ष राजपथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए उत्तर प्रदेश निदेशालय से सर्वाधिक कैडेट आगरा के ही चयनित होते हैं, राजपथ पर मार्च करते हैं। यहाँ के कैडेट्स ने यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम, बेस्ट कैडेट, गार्ड ऑफ ऑनर, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फ्लेग एरिया, राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस कैंप, थल सैनिक कैंप, पैरा बेसिक कैंप, माउंटेनियरिंग कैंप, ट्रेकिंग कैंप, वायु सैनिक कैंप आदि में राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

वर्ष 2023–2024 आगरा कॉलेज के लिए गौरवमयी रहा है। आगरा कॉलेज की कंपनी कमांडर कैप्टन रीता निगम को वर्ष 2023 के लिए 'रक्षा सचिव प्रशंसा पत्र' पुरस्कार, जो एन सी सी में दिया जाने वाला द्वितीय सर्वोच्च सम्मान है, चयनित गया। इसमें रक्षा सचिव प्रशंसा पत्र, बैज एवं Rs.12000/- का नकद पुरस्कार प्राप्त किया।

- इसके पूर्व इसी सत्र में उन्हें एन.सी.सी. महानिदेशक द्वारा सर्वश्रेष्ठ 'एन.सी.सी. अधिकारी' के लिए 'महानिदेशक सम्मान' से भी सम्मानित किया गया था।
- कैडेट ऋतिक बंसल भारतीय वायु सेना में चयनित हुए।
- कैडेट शुभम यादव एवं कैडेट देव चाहर भारतीय थल सेना में चयनित हुए।
- कॉरपोरल स्वाति माथुर दिल्ली पुलिस में चयनित हुई।
- कॉरपोरल भावना कुमारी राष्ट्रीय अखंडता कैंप में चयनित हुई।
- सीनियर अंडर ऑफिसर रीगुल शर्मा ने उत्तर प्रदेश निदेशालय की सर्वश्रेष्ठ कैडेट के लिए 'महानिदेशक उत्कृष्ट पदक' प्राप्त किया एवं यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम तहत नेपाल के लिए चयनित हुईं।
- अंडर ऑफिसर कुमकुम ने पैराबासिक कोर्स में 1450 फीट की ऊंचाई से पैराशूट के द्वारा तीन बार हवाई कुदान सफलतापूर्वक की।
- पांच कैडेट्स ने पोलियो कैंपेन के ब्रांड एंबेसडर के रूप में उत्कृष्ट कार्य करते हुए 500/- रुपए, प्रत्येक कैडेट्स ने पुरस्कार में प्राप्त किए।

- कैडेट कोमल यादव ट्रेकिंग कैंप, सिक्किम के लिए चयनित हुई और हिमालय में 16500 फीट ऊंचाई तक चढ़ाई की।
- कैप्टन रीता निगम एवं कैडेट्स ने 32 यूनिट रक्तदान किया।
- कैडेट विपुल सोलंकी ने मुख्यमंत्री स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- कैडेट केशव चौहान ने राज्यपाल स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- कैडेट यशवीर यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत सिंगापुर के लिए चयनित हुए।

छात्र कल्याण विभाग

Students are fundamental unit and pillars of the University. DSW office of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra has full-fledged inter-mediation between students and administration by giving them close supervision. Students plays pivotal role in the development of a country.

The Duties of the Dean Student Welfare

- To arrange for congenial living environment in the campus including Hostels for the students
- To monitor day to day essential support required for academic and co-curricular activities of students
- To arrange for special care for the weaker and needy sections of students
- To prepare plan and execute programmes for holistic development of the students
- To nominate student representatives to various bodies of the University
- To enable students to participate effectively in the management of Hostels and also in organization of the students related activities
- To advice Student Council as and when required
- To work with the Director of Sports, Hostel Wardens, Sport Officer, Cultural Officer for all matters related to students' Welfare
- To arrange to depute students to participate events/programmes outside the University
- To keep in touch with the guardians as and when required.
- To arrange for maintenance of students' discipline in the University.

A glimpse of the activities organized by DSW

- रेड रन मैराथन प्रतियोगिता दिनांक 30 जुलाई 2024
- अंगदान दिवस जागरुक्ता अभियान दिनांक 03 अगस्त 2024
- नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस दिनांक 12 अगस्त 2024
- हर घर तिरंगा कार्यक्रम दिनांक 13 अगस्त 2024
- विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस दिनांक 14 अगस्त 2024
- एक पेड़ माँ के नाम अभियान दिनांक 03 सितम्बर 2024
- युवोत्सव कार्यक्रम दिनांक 27, 28, 29 सितम्बर 2024

समाचार–पत्रों के दर्पण में विश्वविद्यालय

महिला टीबी मरीजों को वितरित की पोषण पोटली

विवि के शिक्षक और अधिकारियों ने गोद लिए टीबी मरीजों को बांटी पोषण पोटली

हिंदी उत्सव के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी की कहानी - पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

गृह विज्ञान संस्थान में छात्राओं को दी स्व–रोजगार का प्रशिक्षण

संस्कृत भाषा नहीं जीवन जीने की कला

बाजारवाद ने हिंदी बनाई दुनिया की बिंदी

यूनिवर्सिटी ऑफ़ बर्मिंघम के साथ रिलिजन अध्ययन

भूमिका : भारत को विकसित बनाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा

ललित कला संस्थान में मनाया विश्व कला दिवस

जल मरोड़ से दिया संरक्षण का संदेश

अब एआई का युग, चुनौती के लिए रहें तैयार

विश्वविद्यालय में मशूलिंग और कंप्यूटर लैंग्वेज पर की गोष्ठी

युवा देश का भविष्य, खुद को अपग्रेड कर बनें सशक्त: शिवहरे

उ.प्र. संस्कृत संस्थान लखनऊ भाषा विभाग प्रदेश शासन के अधीन संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन

मॉडल में दिखाया छात्रों का ज्ञान

1400 दुर्लभ हस्तलेख व मुद्राएं

सेठ पदम चंद जैन संस्थान में मनाया आजादी का जश्न

विश्वविद्यालय में भाषाओं व बोलियों पर होगी चर्चा

अखिलेश अध्यक्ष और अरविंद बने महामंत्री

डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय शिक्षणेतर कर्मचारी संघ का चुनाव संपन्न

बीबीए के छात्रों को बताई भविष्य की संभावनाएं

विश्वविद्यालय में ली गई योग करने की शपथ

आईईटी में हुआ 'मतदाता जागरूकता' पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

हिंदी पखवाड़े का समापन शोधार्थियों को बांटे टैबलेट

क्वालिटी और स्किल एजुकेशन को दें बढ़ावा

बोलियों में जान डालने के लिए जुटे विशेषज्ञ

पांडुलिपियां देख चौंके ऑक्सफोर्ड के छात्र

एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में योग सप्ताह का शुभारंभ

कुलसचिव ने विश्वविद्यालय में परखीं नैक की तैयारियां

बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ (IPR Cell)

IPR Cell, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra was established in the year 2023, the convenor of this Cell are Prof. Gautam Jaiswar and member Dr. Sanghmitra Gautam. Total three workshops were organized by this cell from its establishment. The National workshop organized by this Cell on 17th Feb 2024 in J.P. Sabhaghar, Khandari campus, Agra in which around 300 participants took part in the workshop. Five speakers from different states who are expert in IPR, delivered the talk. The faculties from affiliated colleges and research scholars were present in the workshop, this workshop was sponsored by Council of Science and Technology, Uttar Pradesh.

The main objectives of the IPR cellis to provide a framework to foster innovation and creativity in the areas of science, technology, design, and humanities by nurturing new ideas and research, in anethical environment. To protect intellectual property (IP) rights generated by faculty/ personnel, students, and staff of the university/affiliated colleges, by translating their creative and innovative work into IP rights. To lay down an efficient, fair, and transparent administrative process for ownership control and assignment of IP rights and sharing of revenues generated by IP, created and owned by the institute. Additionally, in cases of government funded research, the inventor(s)/ university should disclose their IP filings to the Government Agency(s) that have funded their research. To promote more collaborations between academia and industry through better clarity on IP ownership and IP licensing. To create a mechanism for knowledge generation and its commercial exploitation. The purpose of IP commercialization is also to augment the financial self-sustenance goals of the university and its centers of excellence and labs and to reward faculty and researchers. To establish an IPR Cell for assisting all innovations, creativity and IPR related activities of students, research scholars and faculty members. The IPR Cell will act as a nodal agency to implement the mandate of the draft guidelines for IPR Cells.

Workshop Organized :

- Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Ashu Rani, Patron of National Workshop on IPR-2024. In this workshop, Dr. A.M. Khan Director National JALMA Institute, Agra was the Chief Guest, which was held on 17th Feb 2024 at J.P. Sabhaghar, Khandari, Agra

सामुदायिक रेडियो

सामुदायिक रेडियो 90.4 'आगरा की आवाज' हमारे विश्वविद्यालय के लिए केंद्रीकृत सुविधा है, जिसे समुदाय की सेवा करने की प्रतिबद्धता के साथ अक्टूबर, 2010 में स्थापित किया गया था। यह 'लोगों के लिए–'लोगों द्वारा' के लोकाचार का प्रतीक है। 50–वाट ट्रांसमीटर के साथ 90.4 मेगाहर्ट्ज की आवृत्ति पर काम करते हुए, सीआर 90.4 प्रतिदिन छह घंटे प्रसारित होता है। इसका विषयगत फोकस गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, सरकारी योजनाओं, लैंगिक समानता आदि विकास के इर्द–गिर्द घूमता है।

पाठ्यक्रम : सर्टिफिकेट (रेडियो जॉकी और प्रोडक्शन)

सामुदायिक रेडियो संचालन समिति :

- प्रो. अर्चना सिंह (इंचार्ज / डायरेक्टर)
- श्रीमती पूजा सक्सेना (कार्यक्रम अधिकारी)
- श्री तरुण श्रीवास्तव (इंजीनियरिंग असिस्टेंट)

विगत एक वर्ष के मुख्य कार्यक्रम और आउटरीच गतिविधियाँ :

- भारत सरकार, रसायन और उर्वरक मंत्रालय के निर्देशन में विश्वविद्यालय सामुदायिक रेडियो 90.4 आगरा की आवाज और यारा फर्टिलाइजर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से दिसंबर 2023 से दिसंबर 2024 तक हुए कृषि जागरूकता कार्यक्रम।
- डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा और सीसीआरएएस (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने पर यूनिवर्सिटी कम्युनिटी रेडियो 90.4 आगरा की आवाज में महानिदेशक सीसीआरएएस प्रो. वैद्य रबीनारायण आचार्य जी का साक्षात्कार।

महिला प्रकोष्ठ

The Women Cell of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra is an initiative aimed at promoting the welfare, development, and empowerment of female stakeholders associated with the institution. It serves as a dedicated platform for addressing issues, concerns, and challenges faced by women in the academic and professional environment. Through its various activities and programs, the Women Cell aims to create a supportive and inclusive atmosphere that nurtures the personal and professional growth of women.

The breast cancer awareness and free screening camp organized by Dr. Bhimrao Ambedkar University's Women's Cell and Amar Ujala, under the guidance of Vice-Chancellor Prof.

Ashu Rani, serves as a proactive measure to promote health awareness, accessibility to healthcare, early detection, empowerment, and collaborative effort. The program organized for all female officials, educators, students, and employees of the university. The event facilitated 184 free breast cancer screenings conducted by Dr. Surbhi Gupta. Women Cell along with Dr. Surbhi Gupta, Head of the Cancer Department at S.N. Medical College, and Dr. Divya Sharma from the Department of Gynaecology, served as a vital platform for addressing women's health issues.

A health camp was organized at the University Arogya Kendra, located at Dr. Bhimrao Ambedkar University's Vivekanand Campus, by the University Women's Cell on 26th September 2024. More than 300 people registered for the camp and benefitted by various health check-ups. Participants received free medicines and tonics as part of the initiative. Dr. Ashu Rani, the university's Vice-Chancellor, stated that the health camp was the first of its kind at the University Arogya Kendra. She highlighted the institution's commitment to the welfare of its students and announced upcoming services, including the availability of a mental health counsellor at the health centre. The health camp included free testing for haemoglobin levels, blood pressure, bone density, and other medical examinations for teachers, staff, and students of the university. Representatives from Dabur India and SBL provided free tonics and essential medicines. The camp was supported by medical professionals such as Dr. Rajesh Kumar (Homeopathy), Dr. Soumya Jain (Ayurveda), and Dr. Raghavacharya (Allopathy), along with a team from the Nagla Budhi (UPHC) Health Centre. The Vice-Chancellor emphasized that the university would continue to organize such camps for the benefit of its community and strive to make essential health services easily accessible.

The Women Cell of the University plays a crucial role in fostering a safe, nurturing, and equitable environment for women in the institution by organizing numerous programs and initiatives. It not only addresses immediate concerns but also contributes to the long-term development of its female stakeholders, ensuring they have the support and resources needed to thrive in their academic and professional journey.

केन्द्रीय ग्रन्थागार

The S.R. Ranganathan Central Library has made remarkable progress in modernizing its infrastructure, expanding its resources, and enhancing services over the past year.

Honorary Librarian : Prof.U.C.Sharma

Assistant Librarian : Dr. Krishna Kumar Kesarwani, Dr. Jay Prakash Singh

Below is a detailed report of the key developments :

Renaming of Libraries as under:

(i) Central Library, Paliwal park, is now known as S.R. Ranganathan Central Library.

(ii) Vivekanand Parisar Library is now knows as Ambedkar Library.

(iii) Challesar Parishar Library is now known as Dr. Abdul Kalam Library.

(iv) Sanskriti Bhavan Library is now known as Sanskriti Library.

1. **Renovation of the Entire Library :** The library has undergone a complete renovation, transforming its infrastructure to provide a more conducive learning environment. Upgrades include improved lighting, new seating arrangements, and better ventilation systems.

2. **Book Purchase :** The library's collection has been enriched with numerous new books across various disciplines, ensuring that both students and faculty have access to the latest academic resources.

3. **RFID Implementation :** RFID (Radio Frequency Identification) technology systems is currently underway to enhance the library's operations, streamline book circulation, improve security, and simplify inventory management.

4. **Setup of Digital Collection and Digital Library :** A comprehensive digital library has been set up, giving users access to e-books, journals, and other electronic resources from anywhere, thereby supporting both onsite and remote learning.

5. **Development of Repository for Faculty Articles :** A dedicated repository has been created to store and showcase faculty research publications, facilitating wider dissemination and access to scholarly work.

6. **Upload of 6000+ Theses on Sodhganga :** More than 6,000 theses have been uploaded to the Sodhganga repository, making our students' and researchers' academic contributions available nationwide for reference and citation.

7. **Top Position in Uttar Pradesh Digital Library :** S.R. Ranganathan Central Library now holds the No. 1 position in Uttar Pradesh Digital Library rankings for having the highest content and resource uploads, showcasing our commitment to digital resource expansion.

8. **Club Member of NDL (National Digital Library of India) :** Shortly our S.R. Ranganathan Central library has become an official member of the National Digital Library (NDL) initiative, spearheaded by IIT-Kharagpur, giving users access to a wide range of national and international digital resources.

9. **Orientation Programmes on Digital Resources :** Multiple orientation programmes were conducted across departments to familiarize students and faculty with the digital resources available in the library, ensuring optimal utilization of these resources.

11. **Ongoing Library Automation :** The automation of the library's cataloging and circulation systems is currently underway. This will further improve the efficiency and accessibility of library services for users.

12. **Census Data Research Workstation :** A newly established Census Data Research Workstation has been set up within the central library, allowing students and researchers to access and analyze census data for academic and research purposes. This specialized workstation is a valuable addition for social science research and data analysis.

Conclusion: The S.R. Ranganathan Central Library continues to evolve as a modern, dynamic center for learning and research. The outlined achievements highlight the library's commitment to advancing academic excellence and providing top-tier resources and facilities to its users.

Next Steps:

- Completion of the ongoing automation project.
- Further development of digital collections.
- Expansion of faculty and student engagement programs.

रोजगार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

Training & Placement cell of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra has been established on 16th February, 2022 by the efforts of then honourable Vice-Chancellor, Prof. Vinay Kumar Pathak. This is the first and foremost effort in this direction by any Vice-Chancellor in the history of our University. Later after joining by Prof Ashu Rani as Vice-Chancellor she took initiative for strengthening the Cell.

This Cell is headed by Coordinator Prof U. N. Shukla and assisted by two assistant Co-ordinators namely Prof Anil Gupta and Dr. S K Jain respectively. The Departmental coordinators have also been attached with this Cell.

List of Events:

1 Workshop on Career Counseling in association with University Employment Information & Guidance Bureau, National Career Service and Work Brick Data Science EDTECH held on 20th May 2023 at Th. Tejvir Singh Degree College Kakrari, Iradat Nagar, Agra.

2 Workshop on Career Counseling in association with University Employment Information & Guidance Bureau and Work Brick Data Science EDTECH. Faculty of Engineering and Technology held on 09th June 2023 at Agra College, Agra.

3 Workshop on "Empowering Youth Through Start UP & Entrepreneurship" in association with 'Vivekanand Incubation Foundation' Agra held on 26th May 2023 at Sanskriti Bhawan, Bagh Farzana, Agra

4 Workshop on 'Career Counseling and Rojgar Paramarsh' in association with University Employment Information & Guidance Bureau and District Employment Office Agra held on 05th July, 2023 at Mata Basanti Devi college of Biosciences and Biotechnology, Shastripuram, Sikandra, Agra.

5 Felicitation of Newly appointed IAS, IPS & PCS participant's by SANKALP IAS, Agra & Training & Placement Cell, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra held on 18th May 2024 at Sanskriti Bhawan, Agra

6 Workshop on Career Counseling in association with Centre of Ambition, Agra held on 10th Sept. 2024 at Sanskriti Bhawan, Agra

'अपने मन का काम करें तभी होंगे सफल'

कॅरियर काउंसिलिंग कार्यशाला में मौजूद छात्र-छात्राएं। संवाद

विवि में कॅरियर काउंसिलिंग एवं गाइडेंस पर कार्यशाला

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से एक दिवसीय कॅरियर काउंसिलिंग कार्यशाला का आयोजन खंदारी स्थित संस्कृति भवन में किया गया। प्रति कुलपति प्रो अजय तनेजा ने विद्यार्थियों से कहा कि वह उस पाठ्यक्रम को ज्वॉइन करें, जिसमें सबसे अधिक रुचि रखते हैं। तभी सफल होंगे।

सेंटर फॉर एंबीशन के प्रबंध निदेशक अमित सिंह ने 3वी (विजुलाइज, वर्बलाइज व वाइटलाइज) का महत्व समझाया। शुभांकर तिवारी ने यूपीएससी और पीसीएस परीक्षा के पैटर्न, हिंदी माध्यम के महत्व और नीलेश कुमार ने यूजीसी नेट व जेआरएफ परीक्षा की तैयारियों के बारे में बताया। इसमें 480 विद्यार्थियों ने शिरकत की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के प्रो. यूएन शुक्ला ने विद्यार्थियों को लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वामी विवेकानंद व डॉ. एपीजे कलाम की पुस्तकें यूथ फॉर इंडिया, विजन 2020, इग्नाइटेड माइंड, विंग्स ऑफ फायर पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

आयोजन में आईईटीएचएम के अमित साह, विभा माथुर, सोनल पांडे, सुमित पाठक, प्रेरणा मेहता का विशेष सहयोग रहा। संवाद

विवेकानन्द इन्क्यूबेशन फाउण्डेशन (VIF)

Affirming its active partnership in advancing with UP Government's 'StartUp Policy 2020', Dr Bhimrao Ambedkar University has set up Vivekananda Incubation Foundation (VIF) under the Start-in-UP program of Govt. of Uttar Pradesh, towards

Start up Companies with ViF

Start up Companies with ViF

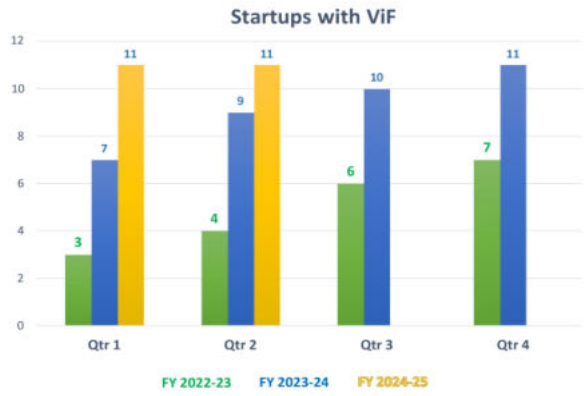

1	Gearloose Labs Pvt. Ltd.	Atharv Kumar
2	Gyansakha Services Pvt. Ltd.	Vishal Kumar
3	Ingenebral India Pvt. Ltd.	Rishabh Raj
4	SMSM Engineers Pvt Ltd.	Priyanka & Umesh Bhardwaj
5	WorkBrick LLP.	SS Tiwari
6	Easy Mind Space Pvt. Ltd.	Lavina Murjani
7	AMIACH Technologies Pvt. Ltd.	Achintya Sharma & Amit Soneja
8.	TobuHub Pvt. Ltd.	Nikhil Tomar
9.	HQ-VFX Pvt. Ltd.	Rajiv Sharma & Sapna Sharma
10.	NAV Education LLP.	Vishal Bhasin
11.	Bionate Research Pvt. Ltd.	Yasir Hussain

encouraging and supporting the start-up culture in and around Agra region.

Vivekananda Incubation Foundation (VIF) at University's Khandari Campus, Agra; started its activities in year 2022, and is providing essential support to Start-up companies having innovative ideas but lack resources to translate their ideas into viable businesses. VIF focus Industry sectors are - Service Industry, Healthcare, Agriculture, Technology, Smart Home, Wearable.

ViF's Vision is to emerge as leading incubator, promoting the spirit of innovation and entrepreneurship towards preparing good start-ups contributing to the wellbeing of society and sustainable development of economy.

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल

यूनीवर्सिटी मॉडल स्कूल की शुरुआत सन् 1998 में इस विचार के साथ की गई थी कि बच्चों को ऐसा वातावरण दिया जाना चाहिए जिससे वे हर दिन स्कूल आना चाहें। इस स्कूल की स्थापना का उनका मुख्य उद्देश्य डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा (जिसे पहले आगरा विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता था) के कार्मिकों के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए काम करना था। विद्यालय में नर्सरी से कक्षा 12 तक की कक्षाओं का संचालन कराया जाता है।

सामान्य परिचय :

विद्यालय में कर्तव्यनिष्ठ, योग्य, अनुभवी और गुणवत्तापरक शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षकों की अग्रणी टीम है। शैक्षणिक सत्र 2022–23 में कुल छात्र संख्या–1365 है। विद्यालय में कुल 41 शिक्षक, 06 तृतीय श्रेणी कर्मचारी व 12 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत हैं। यूनीवर्सिटी मॉडल स्कूल विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान का व्यापक व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। स्कूल में समय–समय पर कला और शिल्प प्रदर्शनी, शैक्षिक भ्रमण, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और कई अन्य सह–पाठयक्रम गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती हैं।

संबद्धता :

यह विद्यालय वर्ष 2004 में सीबीएसई से संबद्ध हुआ था। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है, जिसमें हिंदी पर पर्याप्त जोर दिया जाता है और सभी कक्षाओं के लिए दूसरी आवश्यक भाषा हिंदी है ।

प्रयोगशालाएँ :

यूनीवर्सिटी मॉडल स्कूल विज्ञान की समग्र प्रयोशालाओं (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान) से समृद्ध है। हमारे छात्र प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करते हैं और भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान के नियमों के बारे में जानकारी एकत्र करते हैं। प्रत्येक प्रयोगशाला एक समय में लगभग 50 छात्रों के उपयोग के लिए सुसज्जित है।

पुस्तकालय एवं वाचनालय :

स्कूल में अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय है, जिसमें विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों (3,000) और पत्रिकाओं की एक विस्तृत श्रृंखला है। छात्रों को रुचि के विषयों की व्यापक और गहन समझ के लिए इन पुस्तकों को सीखने और संदर्भित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एनएसएस–राष्ट्रीय सेवा योजना :

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) की शुरुआत विद्यालय में सन् 2021 में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्र युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र को विकसित करने के प्राथमिक उद्देश्य से की गई थी। 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' एनएसएस का उद्देश्य है।

ई. सुविधायें :

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल विभिन्न ई–सुविधाएं प्रदान कर रहा है जैसे एसएमएस सेवा, ई–लाइब्रेरी और गतिशील वेबसाइट जिसमें फोटो गैलरी, समय–सारिणी, पाठ्यक्रम, विभिन्न परीक्षाओं की तिथि–पत्रिकाएं, परिपत्र, वर्ष–योजना, गतिविधि कैलेंडर, अवकाश गृहकार्य आदि शामिल हैं।

सत्र 2023–24 :

कक्षा दशम में अध्ययनरत कुल 139 विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई है। जिसमें निब्यांशी सिंह ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कक्षा द्वादश में अध्ययनरत कुल 104 विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई है। कक्षा द्वादश के तीन वर्गों/संकायों विज्ञान, वाणिज्य एवं कला वर्ग के कुल 104 छात्र/छात्रा अव्वल अंकों के साथ उत्तीर्ण हुये, जिसमें कक्षा द्वादश की छात्रा अपूर्वा शर्मा (कला वर्ग) ने 89.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। युविका पाल (विज्ञान संकाय) ने 85.4 प्रतिशत पर द्वितीय एवं दिव्या यादव (कला वर्ग) ने 85.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर पीठ

Dr. Bhimrao Rao Ji Ambedkar (1891-1956), fondly known as Babasaheb, is one of the most illustrious sons of India and a great National Leader. He is considered the champion for the Dalit cause, an erudite scholar, extraordinary statesman, and a visionary who contributed greatly to the building of the modern India. Dr.Ambedkar left an indelible impression in the history of India as a 'messiah' who unfettered the oppressed masses and secured human rights for millions of weaker and oppressed classes that were path-breaking in its essence and strived towards the monumental endeavours of freedom. He was the chief architect of the Constitution of India, wherein Babasaheb left emancipatory provisions for the justice and empowerment of the oppressed classes. He symbolised the struggle for justice and empowerment of the weaker and downtrodden population in India and laid the foundation stones of building a just society. Babasaheb's ground breaking ideas led to the formation of the Reserve Bank of India during British rule. As a labour leader, he promoted the revolutionary idea of 'fair condition of life of labour' as opposed to 'condition of work', which provided the outline of the future labour laws in India. Babasaheb was also a champion of the cause of gender parity. He initiated reforms for lessening working hours to 48 hours per week, removed the ban of engaging women in various forms of employment, and coded the principle of 'equal pay for equal work' irrespective of gender. His idea of the Hindu Code Bill was of emancipatory nature. Babasaheb also left a lasting impression as a social reformer through his role in the movements like Mahad Satyagraha, the Anti-Khoti movement, and the Dalit Buddhist movement.

The Dr. Bhimrao Ambedkar Peeth (Chair) was established in the year 1997 by the U.P. Govt. (Letter No. 2063/15 (उ०षि०4) Dated 19.06.1997) for achieving the following objectivities.

Objectives:

1. To provide well-equipped centre of learning to intellectuals, academicians and students to undertake studies and research with an intention to understand, assess and disseminate ideas and thoughts of Dr.BhimraoAmbedkar particularly on subjects like Economics, Political Science, Religion, Philosophy, Constitutional Studies, Education, Social Work, Human Rights as well as other disciplines considered relevant for attainment of our National Goal of Social Justice and Empowerment.

2. To conduct research and higher studies vis-à-vis the socio-economic and cultural life as well as the biological aspects of the marginalized/oppressed groups or backward classes or weaker sections of the society.

Functions:

1. To serve as centre of learning and research not only on the subjects concerning Dr.Ambedkar's Works and Philosophy, but also on the issues concerning the socio-economic and cultural life of Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Minorities, Backward Classes and other Weaker Sections of the Society.

2. To conduct research on the present and past of the deprived people, teaching and organizing lectures, seminars, symposia, workshops, and other similar academic activities.
3. To engage in field research work relating to the contemporary problems and issues concern SC/ST/Minority/Weaker Sections/Women/Transgender etc.
4. To supervise doctoral and post-doctoral students in research in accordance with the thrust areas of the Chair.
5. To coordinate and to provide a think tank on the thrust areas of the Chair, drawing expertise and inputs from academic experts from other sectors like Government and other Nationals/ International NGOs.

सूर–पीठ

सूर–पीठ, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की पीठ है। यह राज्य–शासन से मान्यता प्राप्त है। इसकी स्थापना सूर–स्मारक मण्डल आगरा के महामंत्री डॉ. सिद्धेश्वर नाथ श्रीवास्तव के अथक प्रयासों के फलस्वरूप सन् 1999 में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति श्री मंजूर अहमद जी के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में की गई थी। तब से अब तक यह पीठ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी एवं भाषाविज्ञान विद्यापीठ में संचालित है। इस पीठ में पुष्टिमार्ग के जहाज व अष्टछाप के प्रतिनिधि महाकवि महात्मा सूरदास के व्यक्तित्व और कृतित्व का सर्वांगीण अध्ययन एवं शोध कार्य किया जाता है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा महाकवि सूरदास को अपने कुलकवि के रूप में मान्यता प्रदान की गई। अब वे 'कुलकवि सूर' नाम से ही विश्वविद्यालय में जाने जाते हैं।

सूर–पीठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम :

- सूर साहित्य की त्रिवेणी (भक्ति, वात्सल्य और शृंगार के विविध आयाम)
- दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, दि. 4–5,अप्रैल, 2024

89वें दीक्षांत समारोह की झलकियाँ

89वें दीक्षांत समारोह में माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को सम्मानित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी जी

हिंदी पखवाड़ा उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय पधारे माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी जी एवं के.एम.आई. के निदेशक प्रो. प्रदीप श्रीधर